राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,17 अप्रैल-2023 वर्ष-6,अंक-82 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना की फिर बेकाबू रफ्तार, दिल्ली में 1400 से नए केस; 15 माह बाद संक्रमण दर 30 फीसदी के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमितों के मिलने का सिलसिला जारी है। शनिवार को कोरोना के 1396 नए मरीज मिले। अप्रैल महीने में यह तीसरी बार है जब एक दिन में एक हजार से ज्यादा कोरोना संक्रमित मिले हों। वहीं, संक्रमण दर भी 31.9 फीसदी हो गई जोकि पिछले 15 महीनों में सबसे ज्यादा है।

24 घंटे में 4376 लोगों की हुई जांच-शनिवार को जारी कोविड-19 हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, एक मरीज की मौत कोविड के कारण हुई, जबकि चार मरीजों की मौत का प्राथमिक कारण कोविड नहीं था। हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में 4376 लोगों की जांच हुई।

कोरोना को लेकर अब तक 4,08,40,382 सैंपल की जांचें हो चुकी हैं। होम आइसोलेशन में 2977 मरीजों का इलाज जारी है, जबकि अस्पताल में कोरोना संक्रमित व संदिग्ध मरीज मिलाकर कुल 267 मरीज हैं।

बूस्टर डोज ने हल्के किए लक्षण

वहीं, दिल्ली में कोविड के मामले जरूर बढ़ रहे हैं, लेकिन मरीजों के बीच हल्के लक्षण देखने को मिल रहे हैं। इस कारण अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने की दर पहले की तुलना में काफी कम है। इसकी वजह डॉक्टर बूस्टर डोज को मान रहे हैं। हालांकि, गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीज बूस्टर डोज लगने के बाद भी अस्पताल में भर्ती हुए हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर पुलिन कुमार गुप्ता ने बताया कि पहले की तुलना में अस्पताल में कोविड मरीजों के भर्ती होने की दर कम है। मरीजों में बुखार, खांसी और गला खराब, दस्त जैसे सामान्य लक्षण सामने आ रहे हैं। सांस फूलने की शिकायत अब कम है। जिन मरीजों को मधुमेह, किडनी, लिवर, कैंसर, दिल संबंधी दूसरी गंभीर बीमारियां हैं, उनको अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ी है। इसमें बूस्टर डोज लेने वाले मरीज भी शामिल हैं।

जरायम की दुनिया से लेकर राजनीति के गलियारे तक बोलती थी अतीक की तूती

प्रयागराज। कहते हैं कि आतंक की उम्र ज्यादा लंबी नहीं होती, यह सच एक बार फिर जरायम की दुनिया में अपना सिक्का चलाने वाले अतीक अहमद की हत्या के रूप में सामने आया हालांकि इस वारदात ने उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किये हैं।

मात्र 17 साल की अतीक ने जरायम की दुनिया में अपना पहला कदम रखा था जब उसने 1979 में मोहम्मद गुलाम की हत्या कर दी थी। यह मुकदमा खुल्दाबाद थाने में दर्ज हुआ था जिसके बाद अतीक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जुर्म जैसे अतीक का शग़ल बन गया। पढ़ाई के पन्ने तो कोरे थे लेकिन साल दर साल उसके जुर्म की किताब के पन्ने भरते जा रहे थे।

अतीक अहमद का जन्म 1960 में प्रयागराज के धूमनगंज कसारी नसारी में हुआ था। पिता तांगा चालक हाजी फिरोज अहमद कुश्ती के शौकीन थे। पिता के नक्शेकदम पर चलते अतीक भी कुश्ती लड़ता था। इसी वजह से इलाके में लोग उसे पहलवान नाम से भी बुलाते थे। पढ़ाई में मन नहीं लगने के चलते अतीक ने इंटर तक ही पढ़ाई की। इसके बाद 17 साल की उम्र में इलाके में ही रंगदारी वसूलने लगा। पहली रंगदारी अपने मोहल्ले में ही वसूली। धीरे-धीरे उसका नाम प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा।

अतीक की आपराधिक गतिविधि पर लगाम लगाने के लिए यूपी सरकार ने 1985 में गुंडा और 1986 में गैंगस्टर की कार्रवाई की। साथ ही और कड़ी निगरानी के लिए 17 फरवरी 1992 को इसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई, जिसका हिस्ट्रीशीट नंबर 39 ए था। उसके गैंग का नंबर आईएस -227 था।

अतीक ने माफिया का रसूख हासिल करने के बाद राजनीति के लिए जमीन तैयार करनी शुरू की। 1989 में प्रयागराज पश्चिमी सीट से अपने चिर प्रतिद्वंद्वी चांद बाबा के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरा। और पहली बार में ही चांद बाबा को हराकर विधायक बन गया। चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान अतीक अहमद और चांद बाबा के बीच कई गैंगवार हुए। कुछ महीने बाद

दिन दहाड़े चांद बाबा की हत्या हो गयी। अब पूरे पूर्वांचल में उसकी बादशाहत कायम हो गयी। अतीक के रास्ते में जो भी रोड़ा बनने का काम किया उसे रास्ते से हटा दिया।

इसी कड़ी में 1995 में उसे पहचान मिली। उसका नाम लखनऊ में हुए गेस्ट हाउस कांड में आया। समाजवादी पार्टी सरकार को बचाने के लिए उसने तत्कालीन बसपा प्रमुख मायावती और उनके दल के तमाम लोगों को बंधक बना लिया।

लखनऊ के थाना हजरतगंज में अतीक पर मुकदमा दर्ज हुआ। जिसकी विवेचना क्राइम ब्रांच, अपराध अनुसंधान विभाग लखनऊ ने की थी। इसमें उसका नाम प्रमुख अभियुक्त के रूप में नाम दर्ज किया गया। राजनीति के दम पर अपराध की दुनिया में एक अलग मुकाम बना लिया। वह पांच बार विधायक और एक बार सांसद चुना गया। उसके खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई से वकील से लेकर जज तक दूरी बनाने लगे।

अतीक अहमद पर अलग अलग थानों में 100 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। इसके गिरोह ने लोगों के जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती से अपार संपदा अर्जित किया। वह सपा, अपना दल के टिकट से मैदान में आता रहा एवं जीतकर पांच बार विधानसभा और संसद तक पहुंच गया। वर्ष 2002 में अपनी पुरानी इलाहाबाद पश्चिमी सीट से 5वीं बार विधायक बना। साल 2004 में देश में लोकसभा के चुनाव हुए। प्रयागराज की पश्चिम सीट के विधायक अतीक अहमद फूलपुर लोकसभा से सांसदी का चुनाव जीत गया।

शहर पश्चिमी विधायक की कुर्सी खाली हो गई। तब अतीक अपने छोटे भाई अशरफ को वहां से विधायक बनाना चाहता था। उपचुनाव की तारीख आई, अतीक के खास रहे राजू पाल ने भी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर विधायकी लड़ने का ऐलान कर दिया। राजू पाल ने अशरफ को हरा दिया। इसी जीत के साथ राजू पाल अतीक का दुश्मन बन गया। 25 जनवरी 2005 में राजू पाल की हत्या कर दी गई। हमले में राजू पाल और उनके साथ बैठे संदीप यादव और देवीलाल की भी मौत हो गई। इसमें अतीक और उसका भाई अशरफ समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। राजू पाल हत्या के बाद से इसके दिन गर्दिश में चलने लगे थे।

राजू पाल के आखिरी गवाह रहे पूजा पाल के चचेरे भाई उमेश पाल की भी 18 साल बाद 24 फरवरी 2023 को हत्या कर दी गई है। उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने 25 फरवरी को धूमनगंज थाने में अतीक अहमद, पत्नी शाइस्ता परवीन, बेटों, भाई अशरफ के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ, बोलीं- 'वह सबसे लोकप्रिय विश्व नेता हैं'

नई दिल्ली। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने पिछले महीने नई दिल्ली का दौरा किया। यात्रा के दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करने के लिए भारत-अमेरिका वाणिज्यिक संवाद और सीईओ फोरम में हिस्सा लिया। अपने भारत दौरे को याद करते हुए उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी जमकर तारिफ की।

पीएम मोदी है दूरदर्शी-जीना रायमोंडो ने पीएम मोदी के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मुझे पीएम मोदी के साथ एक घंटे से अधिक समय बिताने का अविश्वसनीय अवसर मिला। वह एक कारण से सबसे लोकप्रिय विश्व नेता हैं, वह दूरदर्शी है और भारत के लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्तर वास्तविक है। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में आगे बढ़ाने की उनकी इच्छा वास्तविक है और यह हो रहा है। बता दें कि पीएम मोदी और जीना रायमोंडो की 14 मार्च को मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच रेडियो एक्सेस नेटवर्क और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर चर्चा हुई। इस बैठक को जीना ने याद करते हुए कहा,%पीएम मोदी ने मुझसे कहा कि,द्ध का मतलब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नहीं है, जिसपर मैंने हैरानी जताई और पूछा क्या सच में? इस पर पीएम मोदी ने जवाब देते हुए कहा कि,द्ध का मतलब है अमेरिका और इंडिया टेक्नोलिजी इकोसिस्टम।

10 मार्च को आई थी भारत

जीना रायमोंडो 10 मार्च को नई दिल्ली के दौरे पर आई थी। इस दौरान उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। उनकी यात्रा को लेकर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में जीना रायमोंडो की चार दिवसीय यात्रा बहुत सफल रही। बता दें कि इस यात्रा से अमेरिका-भारत वाणिज्यिक वार्ता और वाणिज्य सचिव के साथ द्विपक्षीय जुड़ाव के कई अवसर देखने को मिले।

'अगर केजरीवाल भ्रष्ट तो दुनिया का कोई व्यक्ति ईमानदार नहीं'

नई दिल्ली। नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी संस्थापक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज सीबीआई के समक्ष पेश होने से पहले एक वीडियो संदेश में भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण अपील की है। उन्होंने जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा- 'अगर केजरीवाल भ्रष्ट है तो दुनिया का कोई व्यक्ति ईमानदार नहीं।' उन्होंने कहा- केजरीवाल देश के लिए जीता है और देश के लिए मरेगा। आप सौ बार सीबीआई, ईडी बुलाओगे, मैं सौ बार जाऊंगा। आप भारत के लोगों को

परेशान कर सकते हैं पर आप भारत को अब रोक नहीं पाओगे। भारत अब दुनिया का नंबर वन देश बनकर रहेगा। जय हिंद। अरविंद केजरीवाल ने कहा- भारत दुनिया का नंबर 1 देश बन सकता था लेकिन भ्रष्टाचार, पैसे और सत्ता की हवस की वजह से आप जैसे नेताओं और पार्टियों ने अभी तक नहीं होने दिया। भारत को नंबर वन बनाना उनका (केजरीवाल) मिशन है और उनके जैसे राष्ट्र विरोधी लोग उन्हें रोक नहीं पाएंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा- सीबीआई ने बुलाया है। वह ईमानदारी से सवालों का जवाब देंगे। कुछ किया ही नहीं तो छुपाने को कुछ नहीं है। सत्ता में बैठे लोग बहुत शक्तिशाली हैं। गिरफ्तारी की बात कर रहे हैं। इन्हें बहुत अहंकार हो गया है। सबको जेल की धमकी देते फिरते हैं।

केजरीवाल ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी से देश की स्थिति बदलने वाली नहीं है। 10 साल में दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाया गया है। गुजरात में 30 साल और मध्य प्रदेश में 15 सालों के शासन में इस तरह का काम नहीं हो पाया।

केजरीवाल के 'भ्रष्टाचार का दस्ताना' अब उतरना चाहिए: संबित पात्रा

भुवनेश्वर। भाजपा के राष्टीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दस्ताने पहन कर भ्रष्टाचार करने से भी वह नहीं छुपता। उन्होंने यह टिप्पणी आज यहां पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। डॉ. पात्रा ने कहा कि केजरीवाल को शायद लगता है कि दस्ताने पहन कर भ्रष्टाचार करने से भ्रष्टाचार के बारे में पता नहीं चलता । उन्हें लगता है कि मैंने (केजरीवाल) दस्ताने पहन रखे हैं और वारदात के मौके पर उंगलियों के निशान नहीं छोड़े हैं। उन्होंने ने कहा कि केजरिवाल ने मनीष सिसोदिया के दस्ताने पहन कर भ्रष्टाचार किया । शराब नीति में घोटाला किया । स्वाभविक रूप से अब दस्ताने उतरने का समय आ गया है। जांच एजेंसियां पेशेवर हैं । वह भावनाओं पर नहीं, तथ्यों के आधार पर कार्य करती हैं । डॉ. पात्रा ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने चार्जशीट में लिखा है कि आम आदमी पार्टी के कम्युनिकेशन हेड विजय नायर ने केजरीवाल व आबकारी घोटाले के प्रमुख सरगना समीर महेन्द्रू के बीच मीटिंग फिक्स करने की कोशिश की, लेकिन इनकी मीटिंग नहीं हो पाई। आखिर में एक फेसटाइम के माध्यम से केजरीवाल ने समीर को एडवाइस दी कि आप चिंता मत कीजिये । विजय नायर हमारे आदमी हैं । उनके कहने के अनुसार कार्य कीजिये । काम हो जाएगा । उन्होंने कहा कि यह प्रत्यक्ष साक्ष्य है । उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी केजरीवाल से क्या सवाल पूछेगी यह उनकी बात है । भाजपा ने प्रथम दिन से केजरीवाल से छह सवाल पूछ रही है। डॉ. पात्रा ने उनको फिर दोहराया । डॉ. पात्रा ने कहा कि केजरीवाल कह रहे हैं कि उन्हें भारत से बहुत प्यार है । लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्हें अपनी सत्ता व भ्रष्टाचार के पैसे से बहुत प्यार है । डॉ. पात्रा ने कहा दस साल पहले केजरीवाल देश के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को चोर बताते थे।

जयशंकर को भाया मोजाम्बिक दौरा, मेड इन इंडिया ट्रेन की सवारी को किया याद

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में मोजाम्बिक का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि अफ्रीकी देश ने उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया। रविवार को अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए गए पॉडकास्ट में, जयशंकर ने अफ्रीकी राष्ट्र की अपनी यात्रा के बारे में विस्तार से बात की।

मेड इन इंडिया ट्रेन की सवारी को किया याद

जयशंकर ने मोजाम्बिक परिवहन मंत्री के साथ मापुटो में अपनी मेड इन इंडिया ट्रेन की सवारी को याद किया और कहा कि मैंने मोजाम्बिक की एक यात्रा पूरी की। यह एक ऐसी यात्रा थी जिसका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मैंने राष्ट्रपति न्यासी के

साथ एक बैठक की। मैंने अपने समकक्ष,मंत्री वेरोनिका मोकामो के साथ एक संयुक्त आयोग की सह-अध्यक्षता की। मैंने परिवहन मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की और नेशनल असेंबली के स्पीकर से भी मुलाकात की।

भारतीय समुदाय से मिलने का मौका

अपनी मोजाम्बिक यात्रा के बारे में बात करते हुए, विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारतीय समुदाय के एक प्रमुख सदस्य के स्वामित्व वाली एक दवा कंपनी में भी गए। मैंने एक सभा में भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया को संबोधित किया और मापुटो में शिव मंदिर, साथ ही श्री रामचंद्रजी को समर्पित सदियों पुराने सलामांका मंदिर में प्रार्थना की। रविवार को पोडकास्ट में जयशंकर ने कहा कि मेड इन इंडिया ट्रेन पर मेरी यात्रा, कुशल थी और स्थानीय यात्रियों की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी थी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 10 से 15 अप्रैल, 2023 तक युगांडा गणराज्य और मोजाम्बिक गणराज्य की आधिकारिक यात्रा की। वह 13 अप्रैल 2023 को अदीस अबाबा, इथियोपिया में रुके भी थे। विदेश मंत्री ने 10 -12 अप्रैल, 2023 तक युगांडा का दौरा किया। बता दें कि 2010 के बाद से भारत के किसी विदेश मंत्री की यह पहली मोजाम्बिक यात्रा थी।

आसमान से बरसने लगी आग? दिल्ली में पारा 40 पार, पहाड़ में जंगल धधके

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दिनभर चली लू ने लोगों को खूब सताया। उधर उत्तराखंड में गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ गईं। हल्द्वानी और नैनीताल में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री ज्यादा है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य है। रविवार को भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को दिल्ली का तापमान सामान्य से चार डिग्री ज्यादा रहा है। इसके चलते दिनभर गर्म हवाएं चलती रहीं और लोग गर्मी से परेशान होते रहे। दोपहर 2.30 बजे से लेकर शाम 4.30 बजे तक सबसे ज्यादा गर्मी ने लोगों को परेशान किया। राजधानी की सड़कों पर खासतौर से दुपहिया सवार गर्म हवा से प्रभावित हुए। मौसम विभाग के अनुसार वर्ष 2021 में जहां 15 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया था तो वहीं वर्ष 2017 में इस दिन अधिकतम तापमान 41 डिग्री रहा था।

7.3 हेक्टेयर जंगल जले-उत्तराखंड में गर्मी बढ़ने के साथ एक पखवाड़े बाद फिर से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। स्थिति यह है कि 24 घंटे में 7.3 हेक्टेयर जंगल आग की भेंट चढ़ चुके हैं। गढ़वाल के

मुकाबले कुमाऊं के जंगलों में ज्यादा आग की घटनाएं हो रही हैं। पिछले माह बारिश के बाद जंगलों में आग लगने की घटनाएं बंद हो गई थीं। लेकिन फिर घटनाएं बढ़ी हैं।

चार दिन में तीन डिग्री बढ़ा तापमान

12 अप्रैल के बाद से हल्द्वानी और नैनीताल में अधिकतम तापमान करीब एक और न्यूनतम तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। बीते बुधवार को हल्द्वानी में जहां अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री दर्ज किया गया था वहीं शनिवार को 37.2 दर्ज किया गया। इस अवधि में न्यूनतम तापमान 12.5 से बढ़कर 15.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इसी तरह नैनीताल में अधिकतम तापमान 20 से बढ़कर 21 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

दिल्ली की हवा दो दिन खराब श्रेणी में रहने के आसार

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को मामूली कम हुआ। शुक्रवार को जहां दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 247 था, वहीं शनिवार को यह 235 दर्ज किया गया। सफर का अनुमान है कि अगले दो दिन हवा खराब श्रेणी में ही बनी रहेगी। 18 मार्च से इसमें कुछ कमी आ सकती है। राजधानी में शनिवार को सतही हवा की रफ्तार बेहद धीमी रही। सुबह के समय जहां हवा शांत थी, तो वहीं दोपहर बाद इसकी गति चचार किलोमीटर प्रतिघंटा रही। इसके चलते प्रदूषण में ज्यादा गिरावट देखने को नहीं मिली।

संपादकीय

एकता के यक्ष प्रश्न

यह तो तय था कि आगामी वर्ष आम चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता की कोशिशें तेज होंगी। लेकिन कर्नाटक चुनाव से पहले ही एकजुटता की कवायद शुरू हो जाएगी, ऐसी उम्मीद कम ही थी। शायद मानहानि मामले में राहुल गांधी की सांसद के रूप में सदस्यता समाप्त किये जाने और फिर उनसे सरकारी आवास खाली कराये जाने के घटनाक्रम ने विपक्षी दलों को एकजुट होने के लिये प्रेरित किया। बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद नेता व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर पर राहुल गांधी से हुई मुलाकात को विपक्षी एकता की दिशा में बड़ी पहल कहा जा रहा है। हालांकि, इन एकता के प्रयासों में कोई नई बात नहीं है क्योंकि बिहार सरकार में पहले ही तीनों दल शामिल हैं। इससे पूर्व फरवरी में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्णिया रैली में कांग्रेस से मोदी सरकार के खिलाफ तुरंत एकजुट होने की बात कह चुके थे। लेकिन राहुल प्रकरण ने विपक्षी दलों को असुरक्षाबोध से भर दिया और यह निष्कर्ष समझ में आने लगा कि यदि हम एकजुट न हुए तो तंत्र के निरंकुश व्यवहार का शिकार होना पड़ सकता है। जिसके चलते कई राजनीतिक दल, जो विपक्षी एकता में कांग्रेस की भूमिका के प्रति किंतु-परंतु करते थे, वे भी अब एकता के प्रयासों को नई उम्मीद से देख रहे हैं। यहां तक कि कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी भी समान विचार वाले दलों के साथ समन्वय की बात करने लगी हैं। कुछ लोगों का मानना है कि कर्नाटक चुनाव से पहले एकजुटता के जरिये विपक्ष महासमर की मॉक ड्रिल करने के मूड में है। वैसे उसके बाद साल के अंत तक महत्वपूर्ण राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में भी चुनाव होने हैं। कांग्रेस के लिये बेहतर प्रदर्शन की चुनौती यह भी होगी कि इन तीनों राज्यों में उसकी ही सरकारें हैं। ऐसे में सवाल उठेगा कि क्या कांग्रेस विपक्षी एकता के फार्मूले का प्रयोग इन तीन राज्यों से शुरू कर देगी? दरअसल, विपक्षी एकता की कवायद गाहे-बगाहे होती रही हैं, लेकिन इनमें तेजी बड़े चुनाव से पहले ही आती है। फिर कई राज्यों की सत्ता में काबिज विपक्षी दलों के क्षत्रप कांग्रेस को लेकर परहेज करते रहे हैं। इनमें वे दल भी शामिल हैं जिनका जन्म ही कांग्रेस विरोध और इस पार्टी से टूटकर हुआ है। मसलन उत्तर प्रदेश में सपा सुप्रीमो अखिलेश,बी.आर.एस सुप्रीमो चंद्रशेखर राव तथा तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी एकता के प्रयासों में कांग्रेस की बड़ी भूमिका से परहेज करती हैं। अब भी अहम सवाल यही है कि प्रधानमंत्री का चेहरा कौन बनेगा? लेकिन नीतीश कुमार अब विपक्षी एकता में कांग्रेस की बड़ी भूमिका के लिये मुहिम चला रहे हैं। हालांकि, अब तक अडाणी प्रकरण में जेपीसी जांच के मुद्दे पर अलग राय रखने वाले एनसीपी प्रमुख शरद पवार को विपक्षी एकता के प्रयासों में बाधक बताया जा रहा था, लेकिन अब पवार ने भी कह दिया है कि जेपीसी मुद्दे पर अलग राय होने के बावजूद वे विपक्षी एकता के पक्षधर हैं। वैसे भी पवार की पार्टी महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला चुकी है। कहीं न कहीं एनसीपी, तृणमूल कांग्रेस तथा कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता खत्म होने ने भी विपक्षी एकजुटता की कवायद को बल दिया है। जिसके चलते परदे के आगे-पीछे एकता के प्रयासों को सिरे चढ़ाने की कवायद तेज हुई है। नीतीश अरसे बाद बिहार से निकलकर दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में सक्रिय हुए हैं और लालू यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे आदि से मिले हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

विश्व हीमोफिलिया दिवस

(17 अप्रैल/ लेखक/ विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

विश्व हीमोफिलिया दिवस हर साल 17 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य इस विशेष बीमारी से पीड़ित रोगियों के रक्तस्राव विकार के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस बीमारी को उन दुर्लभ विकारों में से एक माना जाता है, जहां रक्त के थक्के बनाने वाले प्रोटीन की कमी के कारण रोगी का रक्त ठीक से नहीं जमता है। इस तरह के रोग से ग्रसित रोगी को आकस्मिक चोट लग जाती है, तो थक्का जमाने वाले कारकों की कमी से अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है। इनसे अधिक समय तक रक्त स्राव होता है। इस दिन की ऐतिहासिक शुरुआत फ्रैंक श्नाबेल के जन्मदिन से होती है जो वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफिलिया के संस्थापक थे।और वर्ल्ड फेडरेशन ने दुनिया भर के लोगों को इस विकार से पीड़ित लोगों के लिए एकजुटता दिखाने के लिए लाल रंग में रोशनी करने के लिए शिक्षित किया। इस दिन का महत्व हीमोफिलिया और रक्त संबंधी विकारों वाले लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए है। गंभीर रोगियों में मांसपेशियों, जोड़ों और शरीर के अन्य हिस्सों में रक्तस्राव हो सकता है। यह एक विरासत में मिली बीमारी है जो बच्चे को उसके माता-पिता से मिलती है। इसलिए जल्दी पता लगने से रोगी को बीमारी के बारे में सावधान रहने और सावधानी बरतने में मदद मिल सकती है। इस दिन हीमोफिलिया के बारे में जागरूकता फैलाते हैं और लोगों में रक्तस्राव विकारों को रोकने में मदद करते हैं। आपको स्वस्थ विश्व हीमोफिलिया दिवस की शुभकामनाएं। लोगों को जागरूक करने, नई सहायता प्रणालियों की तलाश करने और इस विकार से लड़ने के तरीके पर सहायता प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी साझा करें। इस उल्लेखनीय हीमोफिलिया दिवस पर स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें!

ताकत जीत से नहीं आती बल्कि मुश्किलें ही आपकी ताकत में योगदान देती हैं। इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर मजबूत, स्वस्थ और सुरक्षित रहें। विश्व हीमोफिलिया दिवस विभिन्न रक्तस्राव विकारों के कारण होने वाली समस्याओं से लड़ने, जागरूकता पैदा करने और उन्हें ठीक करने में मदद करने का दिन है। इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर सुरक्षित रहें।

इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर इसे लाल रंग से जलाएं। इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।

हीमोफीलिया का वाहक कौन

हीमोफीलिया की वाहक वह महिला होती है, जिसमें हीमोफिलिया जीन को वहन करने वाला असामान्य ङ्ग गुणसूत्र होता है। उसके दो ङ्ग गुणसूत्रों में से एक में कारक 8 या कारक 9 जीन का उत्परिवर्तन होता है, जिसके परिणामस्वरूप क्रमशः क्लॉटिंग फैक्टर 8 या 9 के स्तर में कमी आती है। अधिकांश वाहक महिलाओं में हीमोफिलिया होने पर रक्तस्राव के कोई लक्षण नजर नहीं दिखाई देते हैं। लेकिन, कारक आठ या कारक नौ गतिविधि के निम्न स्तर वाले कुछ लोगों को सर्जरी के समय रक्तस्राव की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अन्य लक्षण जैसे पीरियड्स के दौरान अधिक ब्लीडिंग होना, शरीर पर नीले धब्बे हो सकते हैं।

हीमोफीलिया के लक्षण

हीमोफिलिया के लक्षण क्लॉटिंग के स्तर के आधार पर भिन्न होते हैं। यदि आपका क्लॉटिंग-फैक्टर स्तर हल्का कम है, तो आपको सर्जरी या दुर्घटना के बाद ही रक्तस्राव हो सकता है। यदि क्लॉटिंग फैक्टर लेवल बहुत अधिक गंभीर रूप से कम है, तो आपको बिना किसी कारण के भी आसानी से रक्तस्राव हो सकता है। हीमोफीलिया में निम्न लक्षण नजर आ सकते हैं-

किसी इंजरी, चोट, सर्जरी या दंत चिकित्सा के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होना

कई बड़े या गहरे घाव

टीकाकरण के बाद असामान्य रक्तस्राव

जोड़ों में दर्द, सूजन या जकड़न होना

मूत्र या मल में रक्त आना

बिना किसी कारण के नाक से खून बहना

शिशुओं में चिड़चिड़ापन

होमोफीलिया का कारण

जब किसी व्यक्ति को खून बहता है, तो शरीर आमतौर पर खून का थक्का बनाने के लिए रक्त कोशिकाओं को एक साथ इकट्ठा करता है, ताकि रक्तस्राव को रोका जा सके। क्लॉटिंग फैक्टर्स ब्लड में प्रोटीन होते हैं, जो थक्के बनाने के लिए प्लेटलेट्स नामक कोशिकाओं के साथ काम करते हैं। किसी व्यक्ति को हीमोफीलिया तब होता है, जब क्लॉटिंग फैक्टर गायब होता है या क्लॉटिंग फैक्टर का स्तर कम होता है। हीमोफीलिया आमतौर पर अनुवांशिक डिजीज है, जिसका मतलब है एक व्यक्ति जन्मजात इस विकार के साथ पैदा होता है। इसे कन्जेनिटल हीमोफीलिया कहते हैं। इस तरह के हीमोफीलिया को क्लॉटिंग फैक्टर के प्रकार द्वारा वर्गीकृत किया जाता है, जो कम होता है। कुछ लोगों को हीमोफिलिया बिना किसी जन्मजात विकार या फैमिली हिस्ट्री के होता है। इसे एक्वायर्ड हीमोफीलिया कहते हैं।

डॉक्टर को कब दिखाएं

मस्तिष्क में रक्तस्राव के लक्षण नजर आना

चोट लगने के बाद जब खून बहना न बंद हो

सूजे हुए ज्वाइंट्स को छूने पर जब गर्म महसूस हों और झुकने में दर्द हो

रक्त विकार समुदाय के नए सदस्यों तक पहुंचें और उनकी पहचान करें और इस विश्व हीमोफीलिया दिवस पर उनकी मदद करने के लिए पहुंचें। इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।

एक साथ खड़े हों और इस दुनिया को एक स्वस्थ जगह बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। लड़ाई में शामिल हों और हीमोफिलिया को ठीक करने में मदद करें। इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।

विश्व हीमोफिलिया दिवस के इस अवसर पर याद रखें कि आप अपने संघर्ष में अकेले नहीं हैं। मदद मांगो और झुक जाओ। इस विश्व हीमोफिलिया दिवस पर स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।

उपचार -----

प्रोटीन के पर्याप्त संश्लेषण के लिए आहार में फाइबर, कैल्शियम और आयरन से भरपूर विटामिन और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन शामिल होना चाहिए। भोजन के स्रोतों में पत्तेदार साग, साबुत अनाज, कम वसा वाले आहार उत्पाद, अंकुरित बीज, संतरे और विटामिन ए, विटामिन बी 6, विटामिन बी 12 , विटामिन सी, विटामिन के और फोलिक एसिड से भरपूर अन्य खाद्य पदार्थ शामिल होने चाहिए। स्वस्थ और स्थिर रहने के लिए विनियमित भाग के आकार के साथ स्तर।

जड़ी-बूटियाँ और इसके फाइटोकेमिकल घटक रोग में एक प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं, विशेष रूप से जड़ी-बूटियाँ जैसे वासा कूशमांडा , यष्टिमधु, उशीरा , लोधरा , आमलका , चंदन आदि नैदानिक रूप से स्थिति को कम करने में फायदेमंद पाए गए हैं। इसके अलावा, हीमोफिलिया से पीड़ित लोगों को सलाह दी जाती है कि वे लहसुन , अदरक, हल्दी , हॉर्स चेस्टनट आदि जैसी जड़ी-बूटियों से परहेज करें या उनका उपयोग न करें क्योंकि वे थक्के के समय को लम्बा खींचती हैं।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता से समृद्धि की राह

क्लीन एनर्जी पर बल/ ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन खतरों से निपटने में यह बेहद जरूरी है कि भारत इस सदी के आखिर तक तापमान बढ़ोतरी की दर को डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने में कामयाबी पा ले। लेकिन यह तब तक संभव नहीं है जब तक कि समूची दुनिया जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़े। इस प्रक्रिया को ऊर्जा रूपान्तरण भी कहा जाता है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आज से 25 साल बाद भारत के आत्मनिर्भर बनने का दावा किया जा रहा है। यह दावा हरित ऊर्जा पर निवेश बढ़ने के आसार के मद्देनजर जलवायु खतरों से निपटने की दिशा में आईएफसी के कदम के आधार पर किया जा रहा है। गौरतलब है कि विश्व बैंक की नयी पहल के चलते निजी क्षेत्र में कोयला आधारित बिजली परियोजनाओं में निवेश के रास्ते बंद हो जाने के कदम को जलवायु खतरों से निपटने की दिशा में खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कोयले की सर्वाधिक भागीदारी है। हाल ही में आईएफसी यानी विश्व बैंक की शाखा अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा नयी कोयला आधारित परियोजनाओं में निवेश को मंजूरी नहीं देने की घोषणा को बहुत बड़ी राहत माना जा रहा है, जिसे हरित ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है। दुनिया के जलवायु विशेषज्ञ आईएफसी के इस फैसले को इस दिशा में अकेले भारत ही नहीं बल्कि समूची दुनिया के लिए बेहद अहम मान रहे हैं। आईएफसी का यह फैसला पेरिस समझौते की महत्वाकांक्षाओं के आलोक में देखा जा रहा है। आईएफसी ने भारत में कथित तौर पर लगभग 88 वित्तीय संस्थाओं को अनुमानतः पांच बिलियन डॉलर का ऋण दिया है। आईएफसी के इस फैसले के बाद भारत भी उन्हीं कोयला बिजली परियोजनाओं पर आगे बढ़ेगा जो पहले से स्वीकृत हैं। बीते कुछ समय से वैश्विक स्तर पर नवीन कोयला परियोजनाओं में निजी क्षेत्र का निवेश लगातार घट रहा है। इन हालात में यह कदम भारतीय राज्य उपयोगिताओं को कोयले से चलने वाले नवीन संयंत्रों से दूर जाने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हीं संयंत्रों को पूंजी देगा जो निर्माण प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं। सबसे बड़ी बात यह कि आईएफसी ने 2020 में जो नीति बनायी थी उसके तहत उसने अपने ग्राहकों को 2025 तक कोयला परियोजनाओं में अपना एक्सपोजर कम करने और 2030 तक उसे शून्य किये जाने पर जोर दिया था। लेकिन खास बात यह थी कि उसमें निवेश पर रोक लगाने का कोई संकेत नहीं था। अब आईएफसी की इस नयी घोषणा से कोयला आधारित नये संयंत्रों के नये निवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है। दुनिया में पवन ऊर्जा के उत्पादन बढ़ाने पर काफी जोर दिया जा रहा है। इसका अहम कारण सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के संकेत हैं। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल की हालिया रिपोर्ट साबित करती है कि वह बात दीगर है कि 2022 में इस क्षेत्र में अपेक्षा के मुताबिक प्रगति नहीं हुई है लेकिन आने वाले चार सालों में यानी 2027 तक कुल 680 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जुड़ने की उम्मीद है। उसी हालत में दुनिया नेट जीरो के लक्षण हासिल कर पायेगी। दुनिया में हर साल पवन ऊर्जा उत्पादन में 136 गीगावाट की वृद्धि की उम्मीद है जबकि भारत में यह बढ़ोतरी केवल 8 गीगावाट सालाना की दर से हो सकती है। यही वह अहम वजह है जिसके चलते दुनिया में पवन ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में निवेश बढ़ने पर जोर दिया जा रहा है। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल की मीटिंग से साफ हो जाता है कि अमेरिका और यूरोप में साल 2025 से ही टरबाइनों और घटकों के लिए आपूर्ति की बाधा आने की प्रबल आशंका है जबकि इसके विपरीत चीन में पवन ऊर्जा उद्योग में तेजी से उछाल आ रहा है। उस हालत में यदि भारत की बात करें तो भारत ब्लेड निर्माण में 11, टरबाइन जेनरेटर में 7 और गियरबॉक्स निर्माण में 12 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ वैश्वीकरण पवन ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में एक अद्वितीय महत्वपूर्ण स्थिति में है। भारत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा या बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। ये निजी क्षेत्र के लिए सोने की खदान जैसी हैं। हरित ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक बदलाव के लिए हमें जरूरत है कि नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ायें, अर्थव्यवस्था में जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करें और तेजी से गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ें, तभी हम 2030 तक 500 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल कर सकते हैं। हम आने वाले 6-7 सालों में अपनी बैटरी भंडारण क्षमता 125 गीगावाट कर सकते हैं और जरूरी है कि 2030 के बजाय उससे चार-पांच साल पहले ही पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने में कामयाबी पा लें। जहां तक बायोगैस का संबंध है, भारत में गोबर से 1000 करोड़ घन मीटर बायोगैस व कृषि अवशेषों से 1.5 लाख घन मीटर गैस उत्पादन की क्षमता है। यह जैव ईंधन रणनीति का एक अहम हिस्सा है। नौवहन के क्षेत्र में भी भारत 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 30 फीसदी कम करने के लिए देश के बंदरगाहों में प्रदूषण के शमन के उपयोग पर तेजी से कार्य कर रहा है। विश्व बैंक ने भी भारत के तेज गति से हो रहे विकास को सराहा है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की एक हालिया रिपोर्ट का कहना है कि वर्ष 2047 तक भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है।

इसमें 2047 तक उपभोक्ता बचत के रूप में 2.5 ट्रिलियन डालर का लाभ भी शामिल है। जीवाश्म ईंधन के आयात व्यय को 90 फीसदी या 240 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष कम करने में सहायता के साथ ही वैश्विक स्तर पर औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में भी भारत सफल होगा। यह तभी संभव है जबकि लम्बी अवधि की वित्तीय स्थिरता के लिए प्रभावी लागत और नयी तकनीक को वरीयता दी जाये, जिसमें भारत निरंतर सफलता के सोपान की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारी औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन और विद्युतीकरण के मार्ग का अनुसरण भारत के सुखद भविष्य का संकेत है।

विचार मंथन

अतीक गलत था, उसे मारने का तरीका भी गलत था

(लेखक-सनत जैन)

चार दशक तक माफिया बने डॉन अतीक अहमद को शनिवार की रात कैमरे के सामने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या होते हुए कैमरे में करोड़ो दर्शकों ने देखा। पुलिस की कस्टडी में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को पुलिस ने हथकड़ियों में बांध रखा था। इसी बीच मीडिया सामने आया और जैसे ही सवाल पूछा, बाजू से एक शख्स ने उसके सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी। ताबड़तोड़ गोलियां चला कर उसको और उसके भाई को घटनास्थल पर ही मार दिया गया। दोनों दुर्दांत अपराधी हथकड़ियों से बंधे हुए थे पुलिस की अभिरक्षा में थे। कैमरे के सामने जिस तरह से उनकी हत्या की गई। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस तरह अतीक और अशरफ को मार भी दिया गया। वहीं उत्तर प्रदेश पुलिस पर एनकाउंटर करने का ठीकरा भी नहीं फूटा। वहीं अतीक और अशरफ को एक साथ कैमरे के सामने मार भी दिया गया। जिसे सारी दुनिया देख रही है। इस हत्याकांड को लेकर अब तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। अतीक और अशरफ को जिस तरह से कैमरे के सामने मारा गया है। उसे एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन के अंदर माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। अतीक अहमद लगातार कह रहा था कि उसे फर्जी एनकाउंटर में मार दिया जाएगा। इसको लेकर वह सुप्रीम कोर्ट भी गया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी उसकी अर्जी पर कोई तवज्जो नहीं देते हुए, उसे खारिज कर दिया था। सरकारी हलकों में कहा जा रहा था, कि इसके बाद अतीक अहमद और उसका पूरा कुनबा भारी दहशत में था।अतीक अहमद की पत्नी उसके लड़के और परिवारजन दहशत में गायब थे। पुलिस लगातार दबिस दे रही थी। पहली बार जब साबरमती जेल से अतीक अहमद को प्रयागराज लाया गया था। जिस तरह से मीडिया ने उसकी पल-पल की लाइव रिपोर्टिंग की जब उसे प्रयागराज से वापस भेजा गया उसकी भी रिपोर्टिंग हुई। दूसरी बार फिर जब साबरमती जेल से उसे प्रयागराज लाया जा रहा था। उसकी भी पल-पल की खबरें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के नेशनल चैनल दे रहे थे। उसकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार ने क्या-क्या इंतजाम किए थे। यह भी बताया जा रहा था। उसको साबरमती जेल से लाने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च किए वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को उसके लाने ले जाने की ड्यूटी में लगाए गए। पुलिस ने कहीं पर भी एनकाउंटर करने की कोशिश नहीं की। जैसा अतीक दावा कर रहा था। लेकिन प्रयागराज में ही अस्पताल के अंदर कैमरे के सामने जिस तरह से उसकी हत्या हुई है। उसमें एक बात स्पष्ट है कि सरकार जो संदेश माफिया के बारे में आम जनता को देना चाहती थी। वह संदेश जनता तक कैमरों के माध्यम से पहुंच गया है। पुलिस को एनकाउंटर भी नहीं करना पड़ा। माफिया किंग अतीक, अतीक का भाई अशरफ अतीक का बेटा असद झांसी में एनकाउंटर में पहले ही मारा गया।

पुलिस अभिरक्षा में जिस तरह से माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या की गई है। अतीक ने पिछले 4 दशक में जो अपराधिक कृत्य किए थे। इस तरीके से उसकी मौत होने से किसी को कोई दुख नहीं होगा। लेकिन जिस तरह से पुलिस अभिरक्षा में हाथ में हथकड़ी लगी होने के बाद भी कैमरे के सामने जिस तरह उसको मारा गया है। कैमरे में जिस तरह की भूमिका पुलिस की दिख रही है। उसको लेकर सारे देश में यह चर्चा बड़ी जोरों से है। अतीक ने जो अपराध किए, वह इसी तरीके की मृत्यु का हकदार था। अतीक गलत था, उसे मरना ही पड़ा। लेकिन जिस तरह से पुलिस अभिरक्षा में उसे मारा गया है। यह और भी गलत है। लोगों का पुलिस की सुरक्षा और न्याय व्यवस्था को लेकर, सारे देश के सामने एक गलत संदेश गया है। कहने वाले तो यह भी कह रहे हैं, कि एक सुनियोजित साजिश के तहत यह हत्यायें कराई गई हैं। बहरहाल जो भी हो पुलिस अभिरक्षा में अतीक की मौत को लेकर अब न्याय व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं साबरमती जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए भी मामले की सुनवाई को आगे बढ़ाया जा सकता था। अतीक अहमद को विमान से सीधे प्रयागराज लाकर जेल के अंदर ही उसके मामलों की सुनवाई की जा सकती थी। यदि ऐसा नहीं किया गया और पिछले 15 दिनों से जो पल-पल की रिपोर्टिंग अतीक अहमद को लेकर मीडिया में हो रही थी। अतीक अहमद के परिवार पर बुलडोजर चलाया गया। सुरक्षा व्यवस्था के बाद भी उनकी हत्या जिस तरह से की गई है। वह सभ्य समाज में स्वीकार करने योग्य नहीं है।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 20 प्रतिशत बढ़कर 12,594 करोड़ पहुंचा

पिछले साल की समान अवधि में बैंक का मुनाफा 10,443.01 करोड़ रुपए रहा था

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में मुनाफा 20.6 प्रतिशत बढ़कर 12,594.5 करोड़ रुपए रहा जबकि समूचे वित्त वर्ष में इसका लाभ करीब 21 प्रतिशत बढ़ा है। देश के सबसे बड़े निजी बैंक ने बीते वित्त वर्ष की चौथी एवं अंतिम तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी करते हुए यह जानकारी दी। पिछले साल की समान अवधि में बैंक का मुनाफा 10,443.01 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2022 तिमाही की तुलना में एचडीएफसी बैंक का मुनाफा घट गया है जो तीसरी तिमाही में 12,698.32 करोड़ रुपए था। समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक का मुनाफा 20.9 प्रतिशत बढ़कर 45,997.11 करोड़ रुपए हो गया जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 38,052.75 करोड़ रुपए था। वहीं बैंक का एकल आधार पर मुनाफा 19.81 प्रतिशत वृद्धि के साथ 12,047.45 करोड़ रुपए रहा। एकल आधार पर इसकी कुल आय बढ़कर 53,850 करोड़ रुपए हो गई, जबकि इससे पिछले साल यह 41,086 करोड़ रुपए रही थी। इसकी मुख्य शुद्ध ब्याज आय 23.7 प्रतिशत वृद्धि के साथ 23,351.8 करोड़ रुपए हो गई। इसके पीछे ऋण में 16.9 प्रतिशत वृद्धि और शुद्ध ब्याज मार्जिन के 4.1 प्रतिशत पर बने रहने की अहम भूमिका रही।

ऋण घाटों और अन्य मदों में कुल प्रावधान जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही में 2,685.37 करोड़ रुपए रहा, जो जनवरी-मार्च, 2022 तिमाही में 3,312.35 करोड़ रुपए रहा था। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात मार्च के ओ खिर में 1.12 प्रतिशत रहा जबकि मार्च 2022 के ओ खिर में यह 1.17 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 1.23 प्रतिशत रहा था। समीक्षाधीन तिमाही के लिए एकल आधार पर कुल प्रावधान घटाकर 2,685.37 करोड़ रुपए कर दिया गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 3,312.35 करोड़ रुपए और दिसंबर, 2023 तिमाही में 2,806.44 करोड़ रुपए था। मार्च, 2023 तक इसका कुल पूंजी पर्याप्तता अनुपात 19.3 प्रतिशत पर आ गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 18.9 प्रतिशत था। बैंक की शाखाओं की कुल संख्या 31 मार्च तक 7,821 थी, जिसमें से 52 प्रतिशत शाखाएं बैंक की उप-नगरीय एवं ग्रामीण श्रेणी वाले

क्षेत्रों में जबकि शेष शाखाएं नगरीय क्षेत्रों में हैं। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 19 रुपए प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए यह लाभांश 15.5 रुपए प्रति शेयर था।

कच्चा तेल स्थिर, कई राज्यों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

- ब्रेंट क्रूड 86.31 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 86.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। रविवार को कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। 16 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 59 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 32 पैसे और डीजल के दाम में 30 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 25 पैसे बढ़ा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 44 पैसे और 41 पैसे की तेजी है। तमिलनाडु, तेलंगाना व कर्नाटक में ईंधन की कीमतों में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए ति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

लगातार बढ़ रही है स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या

- एक्सपोर्ट में भी भारत बन रहा है हब

नई दिल्ली । स्मार्टफोन के यूजर्स की संख्या भारत में लगातार बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि भारत में दुनिया भर की नामीगिरामी कंपनियां अपना प्रोडक्शन प्रारंभ कर रही है। हाल ही में यहां एपल जैसी कंपनी ने अपने स्मार्टफोन का प्रोडक्शन शुरू किया है। इससे पहले शाओमी, सैमसंग और वीवो जैसी कंपनियां यहां प्लांट लगा चुकी है। ये कंपनियां पहले सिर्फ भारतीय बाजार के लिए प्रोडक्शन कर रही थी। लेकिन अब ये दुनिया भर के देशों के लिए बाजार के यहां स्मार्टफोन बना रहे हैं। अब वीवो को ही देखिए, इसने कहा है कि साल 2023 में वह 10 लाख से भी ज्यादा मेड इन इंडिया स्मार्टफोन का निर्यात करेगा। यदि भारत से ओवरऑल स्मार्टफोन के निर्यात की बात की जाए तो यह साल 2022-23 में दूना हो गया है। वीवो इंडिया ने आज ही अपनी इंडिया इंपैक्ट रिपोर्ट का दूसरा एडिशन लॉन्च किया है। इसमें कंपनी ने बताया है कि वह 2023 में एक मिलियन से अधिक मेड इन इंडिया स्मार्टफोन निर्यात करने की राह पर है। इसने पिछले साल ही थाईलैंड और सऊदी अरब में अपना पहला मेड इन इंडिया स्मार्टफोन शिपमेंट भेजा था। यहां से एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए वीवो ने पहले ही 2,400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। मैन्युफैक्चरिंग कैपिसिटी में और बढ़ोतरी के लिए कंपनी ने साल 2023 के अंत तक 1,100 करोड़ रुपये का और निवेश किए जाने की योजना बनाई है। वीवो इंडिया के ब्रांड स्ट्रेटजी हेड योगेंद्र श्रीरामुला का कहना है कि कंपनी का भारत में 7,500 करोड़ रुपये की प्रस्तावित निवेश योजना है। इसके हिस्से के रूप में, वीवो 2023 के अंत तक ₹3,500 करोड़ के पहले चरण के निवेश को पूरा करने के रास्ते पर है। इससे दिल्ली एनसीआर के ग्रेटर नोएडा में नई अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का निर्माण हो रहा है। 169 एकड़ में फैली इस फैसिलिटी में साल 2024 तक प्रोडक्शन होने लगेगा। इसके सभी चरण पूरा हो जाने के बाद वहां हर साल करीब 120 मिलियन स्मार्टफोन का प्रोडक्शन हो सकेगा। यदि साल 2022-23 पर नजर डालें तो इस साल करीब 90 हजार करोड़ रुपये (11.2 अरब डॉलर) के स्मार्टफोनों का निर्यात हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है जबकि भारत से स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट 10 अरब डॉलर के पार गया है। यह पिछले साल के मुकाबले शत प्रतिशत की बढ़ोतरी है। हालांकि, इसमें भारत सरकार के प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव का भी बड़ा योगदान है। अभी तक स्मार्टफोनों के निर्यात में एपल और सैमसंग का ही दबदबा है।

माइक्रोसॉफ्ट के ओपेनाई को टक्कर देने मस्क ने बनाई एक्सडॉटएआई कंपनी

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर के सीईओ एलोन मस्क ने चैटजीपीटी के युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए एक्सडॉटएआई नाम से एक नई कंपनी बनाई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, कंपनी का मुख्ययालय टेक्सास के नेवादा में बनाया गया है और मस्क इसके एकमात्र सूचीबद्ध निदेशक हैं। मस्क के पारिवारिक कार्यालय के निदेशक जेरेड बिर्चेल को कंपनी का सचिव बनाया गया है। मी डिया रिपोर्ट के अनुसार, एक्सडॉटएआई ने निजी कंपनी के लिए 10 करोड़ शेयरों की बिक्री को अधिकृत किया है। मस्क एक ऐसी एआई कंपनी बनाना चाहते हैं जो चैटजीपीटी नामक सफल एआई चैटबॉट की निर्माता कंपनी माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई से मुकाबला कर सके। विडंबना यह है कि मस्क ने ही आरंभ में ओपनएआई में 10 करोड़ डॉलर लगाए थे, लेकिन बाद में वह कंपनी से बाहर हो गए। हाल के महीनों में चैटजीपीटी और जीपीटी-4 दुनिया भर में लोकप्रिय हो गए हैं। मार्च में, कई बड़े उद्यमियों और एआई अनुसंधानकर्ताओं, जिनमें मस्क और एप्पल के सह संस्थापक स्टीव वोज्नियाक शामिल हैं, ने एक खुला पत्र लिखकर सभी प्रयोगशालाओं को कम से कम छह महीने के लिए जीपीटी-4 से अधिक शक्तिशाली एआई सिस्टम के प्रशिक्षण को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था। हालांकि यह ओपन लेटर ऐसे समय में लिखा गया था जब इस तरह की खबरें सामने आई थीं कि मस्क ने 2018 की शुरुआत में ओपनएआई पर नियंत्रण करने की कोशिश की थी, लेकिन सैम ऑल्टमैन और ओपनएआई के अन्य संस्थापकों ने मस्क के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। सेमाफोर के अनुसार, प्रतिक्रिया स्वरूप मस्क कंपनी से बाहर हो गए और बड़े पैमाने पर डोनेशन की वादे से मुकर गए। ट्विटर के सीईओ एक अरब डॉलर देने के वादे से मुकर गए, लेकिन कंपनी से हटने से पहले 10 करोड़ डॉलर का योगदान दिया।

सात कंपनियों के मार्केट कैप में 67,859.77 करोड़ रुपये का सामूहिक इजाफा

नई दिल्ली।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों के मार्केट कैप में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 67,859.77 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। सबसे अधिक फायदा आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 598.03 अंक या 0.99 प्रतिशत चढ़ गया। शेयर बाजार शुक्रवार (14 अप्रैल) को अंबेडकर जयंती के मौके पर बंद थे। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर और इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। बीते सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 17,188.25 करोड़ रुपये बढ़कर 6,27,940.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 15,065.31 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 9,44,817.85 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 10,557.84 करोड़ रुपये बढ़कर 5,11,436.51 करोड़ रुपये रही, जबकि आईटीसी का मूल्यांकन 10,190.97 करोड़ रुपये बढ़कर 4,91,465.96 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 9,911.59 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 15,93,736.01 करोड़ रुपये रहा। एसबीआई की बाजार हैसियत 4,640.8 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,75,815.69 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल की

305.01 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,27,416.08 करोड़ रुपये रही।

इधर इन्फोसिस का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ उम्मीद से कम रहा है। इसके अलावा कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजस्व में चार से सात प्रतिशत की वृद्धि का संकेत दिया है, जो काफी कमजोर है। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

इस साल केवल चार अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई

नई दिल्ली ।

दुनिया के प्रमुख 50 अमीरों में से इस साल केवल चार अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई है। ये सभी एशिया के हैं। इस साल सबसे ज्यादा संपत्ति गंवाने के मामले में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पहले नंबर पर हैं। पिछले साल उनकी संपत्ति में काफी उछाल आई थी। इस दौरान उनकी संपत्ति 150 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई थी और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। लेकिन इस साल अडानी की संपे त्ति में भारी गिरावट आई है। अमेरिका शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी ग्रुप के खिलाफ एक निगेटिव रिपोर्ट जारी की थी। उसके बाद से ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई। अडानी की संपत्ति में इस साल 61.1 अरब डॉलर की गिरावट आई है। पिछले साल उनकी संपत्ति में सबसे ज्यादा उछाल आई थी और इस साल वह सबसे ज्यादा गंवाने में पहले नंबर पर हैं। अडानी 59.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर हैं। एशिया के सबसे बड़े रईस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में इस साल 5.46 अरब डॉलर की गिरावट आई है। वह 81.6 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 12वें नंबर पर हैं। चीन के अरबपति झोंग शैनशैन की संपत्ति में इस साल 2.27 अरब डॉलर की मामूली गिरावट आई है और

वह 65.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अडानी से एक स्थान ऊपर 20वें नंबर पर हैं। चीन के एक और अरबपति झेंग यिमिंग की संपत्ति में 12.6 अरब डॉलर की गिरावट आई है और वह 42.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ अमीरों की लिस्ट में 31वें नंबर पर हैं।

डीएचएफएल के चार लेखा परीक्षकों पर एक साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) की शाखाओं के लेखा परीक्षण में 2017-18 में पेशेवर अनियमितता करने के आरोप में चार लेखा परीक्षकों पर जुर्माना और एक साल का प्रतिबंध लगाया है। पीरामल समूह के स्वामित्व और नियंत्रण वाली डीएचएफएल एक सूचीबद्ध कंपनी है और अब इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता है। एनएफआरए ने चार अलग-अलग आदेशों में चारों लेखा परीक्षकों- मैथ्यू सैमुअल, सैम वर्गीज, हरीश कुमार टी के और एम भास्करन पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। सभी लेखा परीक्षक फर्म के वर्गीज एंड कॉरपोरेशन के साझेदार हैं। आदेश के मुताबिक सभी आरोपियों को एक साल के लिए किसी कंपनी या निकाय कॉरपोरेट के कार्यों और गतिविधियों के आंतरिक ऑडिट करने से रोक दिया गया है। प्राधिकरण ने कहा` कि एनएफआरए की शुरुआती जांच में मिले साक्ष्यों में खुलासा हुआ है कि शाखा लेखा परीक्षकों ने बिना उचित मंजूरी वाली नियुक्तियों को स्वीकार करते हुए कंपनी अधिनियम, 2013 और चार्टर्ड अकाउंटेंड अधिनियम, 1949, दोनों का उल्लंघन किया।

(शेयर बाजार समीक्षा) मुद्रास्फीति के आंकड़े, कंपनी नतीजे और वैश्विक रुख तय करेंगे बाजार की दिशा

- निवेशकों की नजरें डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख पर भी रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों, वैश्विक रुख और विदेशी कोषों की गतिविधियां शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा निवेशकों की नजरें कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख पर भी रहेगी। मार्च के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे। बाजार के एक` विशेषज्ञ ने कहा` कि वैश्विक बाजारों का रुख, घरेलू और वैश्विक स्तर पर वृहद आर्थिक आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेगी। इस सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान जिंक, टाटा कॉफी और टाटा कम्युनिकेशंस जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा` कि कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक बाजार के रुख पर सभी की निगाह रहेगी। सोमवार को बाजार इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को मार्च में समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए। तिमाही के दौरान बैंक का

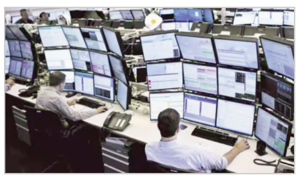

एकीकृत शुद्ध लाभ 20.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 12,594.5 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इन्फोसिस के घोषित चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद के अनुकूल नहीं रहे हैं। अगले वित्त वर्ष में कंपनी ने राजस्व में चार से सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो काफी कमजोर है। बीते कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 598.03 अंक चढ़ गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि दुनिया के बाजारों की चाल से स्थानीय बाजार की धारणा तय होगी। बाजार की निगाह कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों पर रहेगी।

पाकिस्तान में 14 रुपए प्रति लीटर महंगा हो सकता है पेट्रोल

इस्लामाबाद ।

नकदी संकट का सामना कर रही पाकिस्तान सरकार पेट्रोल की कीमतों में 10-14 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी करने जा रही है। उद्योग जगत के सूत्रों के हवाले से पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ने की आशंका जताई है। इसके मुताबिक संघीय सरकार वैश्विक बाजारों में बढ़ती तेल कीमतों का हवाला देते हुए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढा सकती है। पाकिस्तान सरकार हर पखवाड़े पेट्रोलियम कीमतों की समीक्षा करती है। पिछली समीक्षा के विपरीत यदि सरकार विनिमय दर घाटे को भी समायोजित करती है तो यह बढ़ोत्तरी 14 रुपए प्रति लीटर तक हो सकती है। पिछली बार सरकार ने डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपए के कमजोर होने का बोझ जनता पर नहीं डाला था। पाकिस्तान में पेट्रोल की तेल डिपो पर मौजूदा कीमत 272 रुपए प्रति लीटर है। अगर सरकार ने तेल की वैश्विक मूल्य वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला तो यह कीमत 286.77 रुपए प्रति लीटर तक हो सकती है। सरकार पेट्रोल पर शून्य सामान्य बिक्री कर के साथ 50 रुपए प्रति लीटर का उपकर भी लगाती है। हालांकि हाई-स्पीड डीजल के दाम में कोई बदलाव होने की संभावना कम है। अगर सरकार विनिमय दर घाटे को समायोजित नहीं करती है तो डीजल की कीमत में 15 रुपए प्रति लीटर तक की गिरावट हो सकती है।

बिजली की खपत बीते वित्त वर्ष 9.5 फीसदी बढ़कर 1,503.65 अरब यूनिट रही

- पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में बिजली की खपत 1,374.02 अरब यूनिट थी

नई दिल्ली ।

देश में बिजली की खपत बीते वित्त वर्ष 2022-23 में सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत बढ़कर 1,503.65 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। बताया जा रहा है कि इसका मुख्य कारण आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के बीच बिजली की मांग बढ़ना है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में बिजली की खपत 1,374.02 अरब यूनिट थी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा जारी बिजली आपूर्ति के आंकड़ों के अनुसार, एक दिन में अधिकतम बिजली की आपूर्ति पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 207.23 गीगावॉट हो गई, जो 2021-22 में 200.53 गीगावॉट थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में बिजली की खपत और मांग में काफी सुधार देखने को मिलेगा। बिजली मंत्रालय ने इन गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावॉट तक पहुंचने का अनुमान लगाया है। मंत्रालय आयातित कोयला आधारित संयंत्रों को पूरी क्षमता से चलाने का पहले ही निर्देश दे चुका है।

इसके अलावा मंत्रालय ने घरेलू कोयला आधारित संयंत्रों से गर्मियों में बिजली की भारी मांग को पूरा करने के लिए मिश्रण के लिए कोयला आयात करने को कहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी से स्पष्ट पता चलता है कि देश में आर्थिक गतिविधियां सुधर रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि मार्च में देश में बारिश नहीं होती, तो बीते वित्त वर्ष में बिजली खपत में वृद्धि दो अंक में होती। देश में बारिश की वजह से मार्च में बिजली की मांग प्रभावित हुई है। मार्च, 2023 में बिजली की खपत एक साल पहले की समान अवधि के 128.47 अरब यूनिट से घटकर 126.21 अरब यूनिट रह गई। अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक बिजली की खपत 2021-22 के स्तर को पार कर गई थी। अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक बिजली की खपत 1,377.43 अरब यूनिट रही, जो पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में दर्ज 1,374.02 अरब यूनिट से अधिक है।

खाने के तेल में रिकॉर्ड आयात होने से कीमतों में आई गिरावट

पिछले साल मार्च में 57,95,728 टन खाद्य तेलों का आयात हुआ था

नई दिल्ली ।

खाने के तेलों के रिकॉर्ड आयात से स्थानीय तेल-तिलहन उद्योग में पैदा हुई घबराहट के बीच दिल्ली बाजार में शनिवार को ज्यादातर तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही और सरसों और सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही जबकि मूंगफली तेल-तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि पिछले साल मार्च में समाप्त हुए 5 महीनों के दौरान 57,95,728 टन खाद्य तेलों का आयात हुआ था जबकि इस साल मार्च में समाप्त हुए 5 महीनों में यह 22 फीसदी बढ़कर 70,60,193 टन हो गया. इसके अलावा खाद्य तेलों की 24 लाख टन की खेप आनी अभी बाकी है। इस तरह भारी आयात और पाइपलाइन में स्टॉक होने से सरसों जैसे स्थानीय तिलहन का बाजार में खपना मुश्किल हो गया है। मौजूदा स्थिति के बीच स्थानीय तेल उद्योग के साथ किसानों में घबराहट की स्थिति है जो खाद्य तेल कीमतों में गिरावट आने का मुख्य कारण है। सूत्रों के मुताबिक तेल मिल निकाय साल्वेंट

एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने सरकार से अपील की है कि देश की प्रोसेसिंग मिलों को चलाने के लिए पाम और पामोलीन के बीच आयात शुल्क अंतर को मौजूदा 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया जाए। यह एक तरह से पामोलीन पर आयात शुल्क बढ़ाने की मांग है। सूत्रों ने कहा कि पामोलीन का आयात शुल्क बढ़ा तो लोग पामोलीन की जगह सीपीओ का आयात शुरू कर देंगे और तब केवल प्रोसेसिंग मिलें ही आयात कर पाएंगी यानी पामोलीन तेल, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल से और महंगा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने संभवतः खाद्य तेलों के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की छूट इसलिए नहीं दी थी कि देशी सरसों की बंपर फसल और सूरजमुखी फसल बाजार में न खपे। देसी तेल-तिलहन इंडस्ट्री चलाने के लिए पहले नरम तेलों के अधिक आयात को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट से खेल का स्तर और बेहतर हुआ : वायुसेना प्रमुख

चंडीगढ़। वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने कहा है कि अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट उम्मीदों के अनुसार ही अपने लक्ष्य को पूरा करने में सफल रहा है। इस टूर्नामेंट के फाइनल में रेलवे ने चंडीगढ़ एकादश को 5-4 से हराया है। वायुसेना प्रमुख चौधरी ने कहा कि इस टूर्नामेंट से हॉकी को और बेहतर बनाने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा 'मार्शल ऑफ द इंडियन एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल' हॉकी टूर्नामेंट से इस खेल को हम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार और प्रतिस्पर्धी स्तर तक ले जाने में सफल रहे हैं। वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''यह जानकर खुशी हो रही है कि पिछले कुछ साल में इसमें भाग ले रहीं टीमों के खेल मानकों और कौशल के स्तर में बढ़त आई है। यह टूर्नामेंट हॉकी के खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्तर तक ले जाने में सफल रहा है। '' चौधरी टूर्नामेंट के चौथे चरण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। चौधरी ने रेलवे और चंडीगढ़ एकादश दोनों टीमों को रोमांचक फाइनल खेलने के लिये बधाई दी। इस करीबी मैच में रेलवे ने 5-4 से जीत दर्ज की।

आईपीएल में आज सीएसके और आरसीबी में होगा अहम मुकाबला

बेंगलुरु ।

आईपीएल में सोमवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से होगा। इस मैच में आरसीबी का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करना रहेगा। वहीं सीएसके भी इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है पर देखना होगा कि सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस मैच में खेल पाते हैं कि नहीं। धोनी पिछले कुछ समय से घुटने की चोट से परेशान हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत से ही धोनी अपने घुटने को लेकर परेशान हैं हालांकि इसके बाद भी वह हर मैच में उतरे हैं। आरसीबी और सीएसके इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकती लगा देंगे। सीएसके के सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं तीसरे नंबर पर अजिंक्य रहाणे भी अबतक प्रभावी रहे हैं हालांकि बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अंबाती रायुडू, शिवम दुबे और रविंद्र जडेजा जैसे बल्लेबाजों को भी इस मैच में पर्याप्त रहन बनाने होंगे। वहीं टीम का कमजोर पक्ष उसकी गेंदबाजी है। तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला के नहीं खेलने से भी उसे झटका लगेगा। एक अन्य तेज गेंदबाज दीपक चाहर पहले ही बाहर हो गये थे। वहीं ऑराउंडर बेन स्टोक्स के भी इस महीने के अंत तक फिट होने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत से आरसीबी के हौंसले बुलंद हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के लय में होने से भी टीम को लाभ होगा। कप्तान फाफ डुप्लेसी भी अब रन बना रहे हैं। आरसीबी की परेशान मध्यक्रम के बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से बढ़ रही है।

अब तक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने तेजी से रन बनाये हैं पर शाहबाज अहमद और महिपाल लोमरोर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर डेथ ओवरों में हर्षल पटेल को बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

चेन्नई सुपर किंग्स - एमएस धोनी (कप्तान),रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, एमएम अली, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, एसएसबी मगला, टीयू देशपांडे, एम थीक्षणा, आकाश सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, एमके लोमरोर, जीजे मैक्सवेल, डब्ल्यू हसरंगा, शाहबाज़ अहमद, डब्ल्यूडी पार्नेल, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, एचवी पटेल, विजयकुमार वैशाक ।

रजत पाटीदार को सर्जरी के लिए इंग्लैंड भेजेगी बीसीसीआई

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेल रहे रजत पाटीदार की एड़ी में चोट लगी है जिसके इलाज के लिए उन्हें इंग्लैंड भेजा जाएगा बीसीसीआई के अनुसार रजत की मेडिकल जांच में पाया गया है कि उनकी एड़ी की सर्जरी जरुरी है। रजत इसी चोट के कारण ही आईपीएल से भी बाहर हो गये हैं। बीसीसीआई ने यह भी कहा कि बोर्ड रजत की सर्जरी कराने के साथ ही उसमें आने वाला पूरा खर्च भी उठाएगा। एक बोर्ड अधिकारी ने कहा कि रजत पाटीदार को केन्द्रीय अनुबंध नहीं मिल है पर वह एक टार्गेटेड खिलाड़ी है और हमारा प्रयास उनका बेहतर से बेहतर इलाज कराना है। रजत को इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भी शामिल किया गया था पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। वहीं इसे बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने अपने एक कहा था, रजत एड़ी की चोट के कारण आईपीएल 2023 से बाहर हो गये हैं

पर हम उम्मीद करेंगे कि वह शीघ्र ही ठीक हो जाए। हम इस दौरान उनका साथ देंगे। रजत ने गत वर्ष हुए आईपीएल में आरसीबी की ओर से प्लेऑफ में तूफानी शतक लगाकर सभी का ध्यान खींचा था। रजत चोटिल होने के बाद नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) बेंगलुरु में रिहैब के लिए गये थे। यहां उनका इलाज मेडिकल टीम की निगरानी में हुआ था पर ठीक नहीं होने के बाद उन्हें अब आगे के इलाज के लिए इंग्लैंड भेजा जा रहा है।

विराट एक मैच स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लागने वाले बल्लेबाज बने

बेंगलुरु । आईपीएल के 16 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में अर्धशतकीय पारी खेलकर किसी एक मैच स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। कोहली ने घरेलू मैदान पर अपना 25वां टी20 अर्धशतक लगाकर यह रिकार्ड बनाय। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स के नाम था। हेल्स ने नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में 24 अर्धशतक लगाये थे। विराट ने 33 गेंद में अपने पचास रन पूरे किये। आईपीएल के इस सत्र में इस स्टेडियम पर तीन मैचों में तीन अर्द्धशतक विराट के नाम पर हो गये हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 44 गेंद पर 61 रन बनाने से पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 82 रन बनाये थे। विराट के नाम एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 22 अर्द्धशतक और तीन शतक हैं। इसी मैदान पर विराट ने अब तक 2,539 रन बनाए हैं, जिसमें 19 अर्द्धशतक और तीन शतक शामिल हैं।

भारत और पाकिस्तान जूनियर एशिया कप के एक ही पूल में

(एजेंसी)

चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को पुरुष जूनियर एशिया कप 2023 के लिए एक ही ग्रुप में रखा गया है। यह टूर्नामेंट 23 मई से एक जून तक सालाह,ओमान में होना है। भारत और पाकिस्तान के पूल ए में जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे अन्य टीमें हैं। भारत और पाकिस्तान का ग्रुप चरण में 27 मई को मुकाबला होगा। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेजबान ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान हैं। एशियाई हॉकी महासंघ ने यह घोषणा की है। ग्रुप चरण में खेलने के बाद हर ग्रुप से दो-दो शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जो 31 मई को खेले जाएंगे जबकि फाइनल एक जून को होगा। मलेशिया को छोड़कर अन्य शीर्ष तीन टीमें जूनियर हॉकी विश्व कप में जगह बनाएंगी जो 5-16 दिसंबर तक कुआलालम्पुर, मलेशिया में खेला जाएगा। मेजबान होने के नाते मलेशिया को विश्व कप में सीधे ही प्रवेश मिल गया है। इस बीच जूनियर महिला एशिया दो से 11 जून तक जापान के काकमिगहारा में खेला जाएगा। भारत पूल ए में कोरिया, मलेशिया, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान के साथ है जबकि ग्रुप बी में चीन, जापान, कजाखस्तान, हांगकांग और इंडोनेशिया हैं।

ब्राजील पैरा बैडमिंटनः प्रमोद भगत और सुकान्त कदम सेमीफाइनल में

(एजेंसी) प्रमुख भारतीय शटलर प्रमोद भगत और विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी सुकान्त कदम ने ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भगत और कदम दोनों एकल और युगल के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। प्रमोद ने पेरू के प्रेडो पाब्लो डी विनाटी को 30 मिनट में 21-7, 21-12 से पराजित किया। उनका सेमीफाइनल में जापान के डाइसके फुजिहारा से मुकाबला होगा। उन्होंने कदम के साथ युगल सेमीफाइनल में भी जगह बनायी है। हालांकि वह मिश्रित युगल के क्वार्टरफाइनल में हार गए। सुकान्त कदम को क्वार्टरफाइनल में हमवतन सुहास ललिनकेरे यतिराज को 29-27, 11-21, 21-17 से हराने में कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

सचिन के बेटे अर्जुन ने किया आईपीएल डेब्यू

केकेआर के खिलाफ उतरे

मुम्बई (ईएमएस)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आंखिरकार आईपीएल में डेब्यू का अवसर मिल ही गया। 23 साल के अर्जुन तेज गेंदबाज होने के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। मुम्बई इंडियंस ने अर्जुन को उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल किया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें इंडियंस की कैप पहनायी। अर्जुन को अरशद खान की जगह रखा गया है। इस तेज गेंदबाज को 30 लाख रुपए के आधारमूल्य पर मुंबई ने खरीदा था। पहले के आईपीएल में उन्हें एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला था। अर्जुन को पिछले साल दिसंबर में मुंबई की शुरुआती रणजी ट्रॉफी टीम में भी शामिल किया गया था। अर्जुन निचले क्रम के बल्लेबाज़ भी हैं, उन्होंने 2019 में इंग्लैंड में एमसीसी यंग क्रिकेटर्स के लिए खेला था। उन्होंने मुंबई में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की। अर्जन ने इस सत्र में गोवा की ओर से सात रणजी ट्रॉफी खेलों में 12 विकेट लिए। इस दौरान इस ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी क्षमताओं का भी प्रदर्शन किया और अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक बनाया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सात मैचों में 10 विकेट रहा है।

अर्जुन इस मैच से पहले अपने पिता सचिन के साथ अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए भी दिखे थी। इस मैच में भाई अर्जुन का हौंसला बढ़ाने उनकी बहन सारा भी स्टेडियम में नजर आयीं।

राहुल कप्तानी से दबाव में नहीं आते : रोड्स

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाइंट्स के क्षेत्ररक्षण कोच जोंटी रोड्स ने कप्तान लोकेश राहुल की सराहना करते हुए कहा है कि वह कभी भी कप्तानी के भार से परेशान नहीं होता। राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। राहुल ने इससे पहले पंजाब किंग्स की कप्तानी भी की थी और रोड्स तब सहयोगी स्टाफ में शामिल थे। रोड्स ने कहा, 'कप्तान वह है जो आगे बढ़कर नेतृत्व करना पसंद करता है। वह सभी आईपीएल में हमेशा एक सफल, दबदबा बनाने वाला बल्लेबाज रहा है। कप्तानी ऐसी चीज जो न उसपर हावी होती है और न ही वह दबाव में आता है। उन्होंने साथ ही कहा, 'कई महान बल्लेबाजों को जब कप्तानी दी जाती है तो वे इसे संभाल नहीं पाते हैं जबकि राहुल ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और मुझे यह देखकर खुशी हुई है।। राहुल हालांकि इस सत्र में इस मैच से पहले रन नहीं बना पाये थे। रोड्स ने कहा, 'जब कप्तान रन बना रहा होता है तो वह दूसरों को भी प्रेरित करता है। हम हमेशा से जानते थे कि वह लय हासिल करने से केवल एक पारी दूर है। वह नेट में शानदार बल्लेबाजी कर रहा है।

सहवाग का बड़ा बयान, दिल्ली की खराब शुरुआत के लिए रिकी पोंटिंग को जिम्मेदारी लेनी चाहिए

नई दिल्ली ।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 सीजन में टीम की खराब शुरुआत के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। दिल्ली की टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं हार के बाद सहवाग के ये शब्द आए हैं और वह अभी भी दस टीमों की अंक तालिका में सबसे नीचे है। सहवाग ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पहले कहा था कि पंजाब ने दिल्ली को चोट मार दी है। जब एक टीम जीतती है तो कोचों को श्रेय दिया जाता है, इसलिए जब टीम हारती है तो उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।' यहां तक कि हमने कई बार कहा कि पोंटिंग ने शानदार काम किया है, उन्हें फाइनल तक पहुंचाते हुए अब वे लगभग हर साल प्लेऑफ में पहुंचते हैं। उसने सारा क्रेडिट ले लिया, अब उसे यह भी लेना (हार का जिम्मा) होगा। विराट कोहली के 34 गेंदों में 50 रन के बाद बेंगलुरु को 174/6 पर ले जाने के बाद दिल्ली ने एक समय में 2/3 के स्कोर के बाद 20 ओवरों में 151/9 का ही स्कोर बना पाई। सहवाग ने अपने आईपीएल खेल के दिनों में दिल्ली फ्रेंचाइजी की कप्तानी की थी, ने टिप्पणी की कि डेविड वार्नर की अगुवाई वाली टीम टर्नअराउंड बनाने की कोशिश में भ्रमित नजर आ रही है।' यहां तक कि हमने भी कई बार कहा कि यह भारतीय टीम नहीं है जहां वे जीत का श्रेय लेते हैं और हार के लिए किसी और को

दोषी ठहराते हैं। आईपीएल टीम में कोच की शून्य भूमिका होती है। उन्होंने कहा, 'बड़ी जिम्मेदारी मैन-मैनेजमेंट की है और खिलाड़ियों को वह आत्मविश्वास देना है, लेकिन अंत में एक कोच तभी अच्छा दिखता है जब टीम अच्छा प्रदर्शन करती है, जो दिल्ली ने बिल्कुल नहीं किया है। मुझे लगता है कि दिल्ली उस बिंदु पर पहुंच गई है जहां वे हैं।' इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें अपनी तकदीर बदलने के लिए क्या करना चाहिए।' आईपीएल 2023 में दिल्ली का अगला मैच दो बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 20 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

88 साल की बुजुर्ग प्रशंसक से धोनी को मिला प्यार और आशीर्वाद

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के देश ओर दुनिया भर में प्रशंसक हैं। खेल से उनके संन्यास के बाद भी प्रशंसकों की दीवानगी कम नहीं हुई है। उनके प्रशंसक हर उम्र के लोग हैं। जिनमें बच्चों के लेकर उम्रदराज लोग भी शामिल हैं। इसका एक ओर उदाहरण यहां आईपीएल मैच के दौरान दिखा। यहां आईपीएल में धोनी ने अपनी सबसे बुजुर्ग प्रशंसक से मुलाकात की। जिसके बाद 88 साल की बुजुर्ग महिला के साथ धोनी की तस्वीरें सामने आयी हैं। ये बुजुर्ग महिला अभिनेत्री और भाजपा नेता खुशबू सुंदर की सास हैं। खुशबू नेता ने ट्विटर पर धोनी और उनकी सास की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें खुशबू की 88 वर्षीय सास धोनी पर प्यार लुटाती और उन्हें आशीर्वाद देती नजर आ रही हैं। खुशबू ने धोनी को लेकर ट्विटर पर लिखा, 'हीरो बनाए नहीं जाते बल्कि वे पैदा होते हैं और धोनी यह साबित करते हैं। मेरे पास उनकी प्रशंसा के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने मेरी 88 साल की सास से मुलाकात की। वह धोनी की प्रशंसक हैं। साथ ही लिखा माही, आपने उनके जीवन में अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों से कई और साल जोड़ दिए हैं। इसके लिए आपको मेरा प्रणाम। इसके साथ ही इस मुलाकात के लिए मैं सीएसके की भी आभारी हूं।' वहीं आरसीबी के आक्रामक बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स भी धोनी के प्रशंसक हैं। उन्होंने भी धोनी को 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' करार दिया। आईपीएल के इस 16वें सत्र को धोनी को अंतिम सत्र माना जा जा रहा है। अटकलें हैं कि इस सत्र के बाद वह आईपीएल भी नहीं खेलेंगे।

पहले ही मैच में वैशाख ने लिए तीन विकेट

बंगलुरु । आईपीएल में पहली बार खेल रहे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पहले ही मैच में 20 रन देकर तीन विकेट लेकर सभी का ध्यान खींच है। इस मैच के बाद वैशाख ने कहा कि वह अपनी नकल गेंद का प्रयोग करने को लेकर संशय में थे पर टीम प्रबंधन के उन्हें इसका इस्तेमाल करने को कहा। साथ ही कहा कि इस गेंद पर वह पिछले दो साल से काम कर रहे थे पर अब उन्हें सफलता मिली है। विजयकुमार ने अपनी लेंथ, रफ्तार में विविधता और नकल बॉल के बेहतर इस्तेमाल से अपनी टीम को जीत दिला दी। इस गेंदबाज ने कहा, 'मैं 'नकल बॉल' डालने के लिए तैयार नहीं था पर कप्तान डुप्लेसी ने कहा कि तुम थोड़ी धीमी गेंद डाल सकते हो तो मैंने सोचा कि मैं ऐसा करूंगा और मुझे विकेट मिल गया।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत अहम है क्योंकि प्रबंधन ने मुझे अपने अनुसार गेंदबाजी करने को कहा इसलिए मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया और मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।' वैशाख ने अपना पहला आईपीएल विकेट डेविड वॉर्नर का लिया।

गावस्कर बोले, मेरे गलत कैच के कारण रणजी में शतक नहीं लगा पाये थे चुन्नी दा

कोलकाता ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने स्वीकार किया है कि उनके एक गलत कैच के कारण ही चुन्नी गोस्वामी रणजी ट्रॉफी मैच में अपना शतक नहीं लगा पाये थे। गोस्वामी इसके बाद क्रिकेट छोड़कर फुटबॉल खेलने लगे और वह भारतीय टीम के कप्तान भी बने। अपनी कप्तानी में भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाने वाले गोस्वामी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेला था। पूर्व कप्तान गावस्कर ने इस दिग्गज फुटबॉलर के नाम पर मोहन बागान के मुख्य द्वार का उद्घाटन करते हुए कहा कि मेरे गलत कैच लेने के कारण ही गोस्वामी शतक नहीं लगा पाये थ। एशियाई खेल 1962 में भारतीय टीम की जीत में गोस्वामी ने अहम भूमिका निभाई थी। गावस्कर ने कहा, '' मुझे गोस्वामी के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 1968-69 सत्र में खेलने का अवसर मिला था। अब मैं इतने साल के बाद यह बात स्वीकार करना चाहता हूं कि मैंने उन्हें गलत तरीके से 96 पर आउट किया था। ' उन्होंने कहा, '' मैंने स्लिप में जो कैच पकड़ा था वह टप्पे के बाद आया था। मैं इस गलत कैच स्वीकार करता इससे पहले ही मेरे एक साथी ने खुशे से मुझे गले लगाया और कहा 'सनी नहीं, यह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है हमें उसे आउट करना होगा।' तब चुन्नी को पवेलियन लौटना पड़ा। अगर ऐसा नहीं होता तो वह शतक बनाने में सफल हो गये होते।''

गावस्कर ने कहा, ''मैंने इसे कई साल

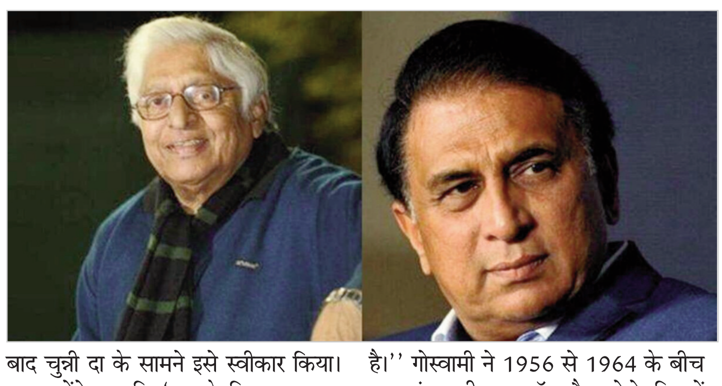

बाद चुन्नी दा के सामने इसे स्वीकार किया। तब उन्होंने कहा कि 'आपके खिलाफ शतक बनाना मेरा सौभाग्य नहीं था'। वह ऐसे ही थे। मेरे पास उनकी कई अच्छी यादें हैं। इस मौके पर यहां मौजूद रहना सम्मान की बात है।'' गोस्वामी ने 1956 से 1964 के बीच 50 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेले, जिसमें 1960 का रोम ओलंपिक भी शामिल है। वहीं क्रिकेट में उन्होंने बंगाल की ओर से 46 प्रथम श्रेणी मैच खेले।

हार्दिक पांड्या ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा आगे का सोचते हैं : कैफ

अहमदाबाद। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या बीते हुए कल को लेकर ज्यादा विचार नहीं करते, जो उनकी टीम को सकारात्मकता प्रदान करता है। कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव पर कहा, 'हार्दिक पांड्या ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा आगे का सोचते हैं, वह बीती बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। वे मैच हार गए और इससे बाहर भी आ गए। अब वे एक नए मैच के लिए तैयार हैं। यह टीम काफी सकारात्मक है। यह टीम अपने अच्छे प्रदर्शन को बनाये रखना चाहती है, क्योंकि जब आप खिताब का बचाव करने के लिये खेल रहे होते हैं, तो आपको अच्छे प्रदर्शन की आवश्यकता होती है। कैफ ने जहां गत चैंपियन गुजरात के कप्तान की तारीफ की, वहीं यूसुफ पठान ने गत उपविजेता राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह रॉयल्स का शानदार तरीके से नेतृत्व कर रहे हैं। यूसुफ ने कहा, 'आईपीएल 2023 में राजस्थान रॉयल्स एक बहुत मजबूत टीम दिख रही है। यह टीम इस सीजन में भी बेहतरीन क्रिकेट खेल रही है। उनकी बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आ रही है। उनके पास गुणवत्तापूर्ण गेंदबाज हैं। संजू सैमसन एक महान कप्तान की तरह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के ह्रदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

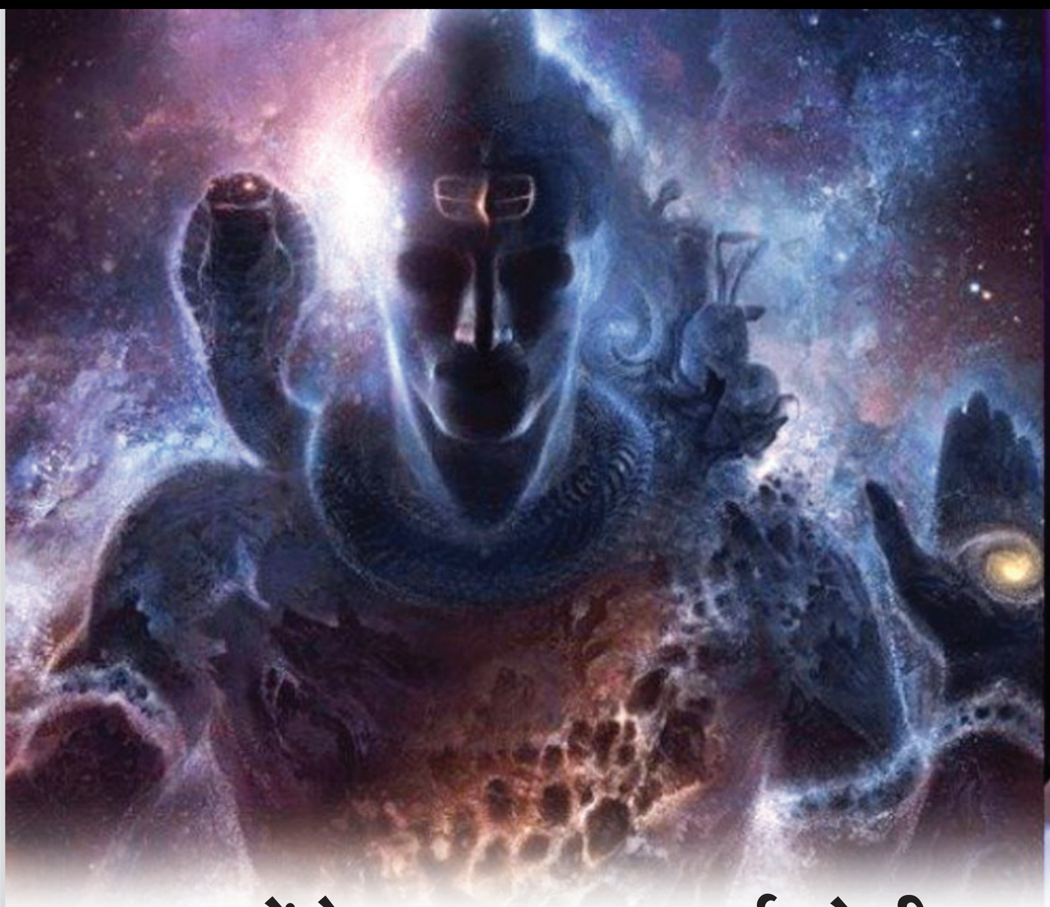

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

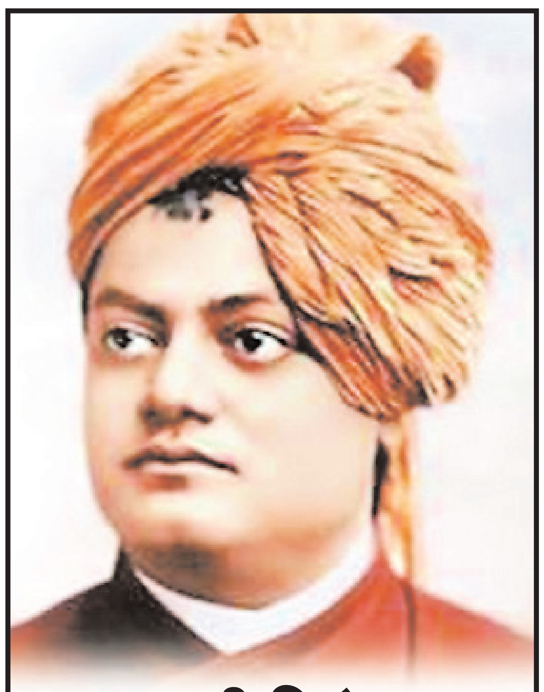

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इमारत में लगी आग, चार भारतीयों स?हित 16 लोगों की मौत

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में स्थित एक रिहाइशी इमारत में आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। मृतकों में 4 भारतीय नागरिक बताए जा रहे हैं। इनकी पहचान केरल के मलप्पुरम स्थित वेंगारा के रहने वाले 38 वर्षीय रिजेश और उसकी 32 वर्षीय पत्नी जिशी के अलावा तमिलनाडु निवासी अब्दुल कादर और सालियाकुंड के रूप में हुई है। दुबई रक्षा ??विभाग के बयान के हवाले से बताया कि इस घटना में 16 लोगों की मौत हुई है और नौ लोग घायल हुए हैं। उसने बताया कि आग शनिवार को दुबई के अल रास इलाके में लगी। यहां दुबई का मसाला बाजार लगता है, जो दुबई क्रीक के निकट पर्यटन का बड़ा केंद्र है। दुबई पुलिस के मुर्दाघर में मौजूद एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता नसीर वतनपल्ली के हवाला से बताया कि पीड़ितों में केरल के एक जोड़े सहित चार भारतीयों की पहचान की गई है। वतनपल्ली ने कहा, 'अब तक हम 4 भारतीयों की पहचान करने में कामयाब रहे हैं, जिनमें केरल के एक दंपति और तमिलनाडु के दो पुरुष शामिल हैं जो इमारत में काम करते थे। इसके अलावा 3 पाकिस्तानी युवक और एक नाइजीरियाई महिला की भी मौत हुई है।'हालां?कि आग लगने का कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन यह संकेत दिया गया है कि पांच मंजिला अपार्टमेंट में किसी समस्या के कारण आग लगी। अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से इमारत को सील कर दिया है। इस कारण आग से बच गए तमाम परिवार भी रातों-रात बेघर हो गए। दुबई सिविल डिफेंस के प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इमारत में पर्याप्त सुरक्षा आवश्यकताओं की कमी थी। फिलहाल अधिकारी आग लगने के कारणों पर एक विस्तृत रिपोर्ट बना रहे हैं

सूडान में अर्धसैनिक बलों व सेना के बीच संघर्ष में भारतीय की मौत, 56 लोगों की जा चुकी है जान

खार्तूम। सूडान में अर्धसैनिक बलों और सेना के बीच संघर्ष में एक भारतीय ने अपनी जान गंवाई। सूडान में स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि शनिवार को गोली लगने से भारतीय नागरिक अल्बर्ट ऑगस्टाइन की मौत हो गई। भारतीय नागरिक डीएएल ग्रुप कंपनी में काम करता था। सूडान में हुई हिंसा से अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है। भारतीय दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा कि इस बात की जानकारी मिली है कि सूडान के डीएएल समूह कंपनी में काम करने वाले भारतीय नागरिक अल्बर्ट ऑगस्टाइन को एक गोली लगी। अपने घाव के चलते उन्होंने दम तोड़ दिया। भारतीय दूतावास आगे की व्यवस्था करने के लिए परिवार और चिकित्सा अधिकारियों के साथ संपर्क में है। इससे पहले भारतीय दूतावास ने चेतावनी जारी की थी। भारतीय दूतावास की ओर से कहा गया था कि कथित गोलीबारी और झड़पों के मद्देनजर सूडान में भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक सावधानी बरतें और घर के अंदर रहें। तत्काल प्रभाव से बाहर निकलना बंद कर दें। दूतावास ने सूडान की यात्रा करने का विचार कर रहे लोगों को अपना प्लान स्थगित करने को कहा था। सूडान की राजधानी खार्तूम में दूसरे दिन भी लगातार गोलियों और तोप की आवाज सुनाई दे रही है। डॉक्टरों का कहना है कि अब तक लड़ाई में 56 नागरिक मारे गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें लगातार गोली की आवाज सुनाई दे रही है। सूडान से आ रही तस्वीरों में आसमान में सिर्फ धुआं ही दिखाई दे रहा है। सेना से जुड़े लोगों और नागरिकों को मिलाकर अब तक कम से कम 600 लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्ष राजधानी पर अपने-अपने कब्जे का दावा कर रहे हैं। सूडान में खार्तूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लड़ाई का सबसे प्रमुख केंद्र रहा है। हालांकि इतने बवाल के बावजूद भी एयरपोर्ट को बंद करने की कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन एयरलाइनों ने अपनी उड़ान को रद्द कर दिया है। मिस्र और सऊदी अरब के लिए भी सूडान के हवाई जहाज नहीं चल रहे हैं। सऊदी अरब की एक एयरलाइन ने बताया कि शनिवार को उनके एक विमान में आग लग गई थी।

अब चीन एआई की मदद से ऑपरेट करने जा रहा सैटेलाइट

बीजिंग। चीन अब सैटेलाइट को भी आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से ऑपरेट करने जा रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार चीनी वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्होंने एक एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया है, जिसमें एआई की मदद से पृथ्वी की कक्षा के निकट मौजूद सैटेलाइट को अस्थायी रूप से ऑपरेट किया गया। इस दौरान विशेष रूप से एआई ने पृथ्वी पर कुछ स्थानों को देखा और उपग्रह को उन्हें करीब से देखने का आदेश दिया। लक्षित क्षेत्रों में से एक भारत में पटना शहर था, जहां भारतीय सेना की इकाई बिहार रेजीमेंट मौजूद है, जो 2020 में गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ भिड़ गई थी। अन्य लक्षित क्षेत्र ओसाका था, जो जापान के सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से एक था, जो कभी-कभी प्रशांत क्षेत्र में चल रहे अमेरिकी नौसेना के जहाजों की मेजबानी करता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने यह नहीं बताया कि एआई मशीन ने विशेष रूप से इन दो स्थानों की तलाश के लिए उपग्रह को क्यों कहा। रिपोर्ट के अनुसार शोध दल ने दावा किया कि प्रयोग का उद्देश्य यह देखना था कि एआई अपने हिसाब से क्या करेगा।

पादरी ने कहा, भूखे-प्यासे मरने से मिलेंगे जीसस, 4 लोगों ने तोड़ दिया दम!

नैरोबी। केन्या में एक चर्च के चार सदस्यों ने भूख-प्यास से दम तोड़ दिया, जिन्हें जीसस से मिलने के लिए भूखे रहने की बात कही गई थी। केन्याई पुलिस ने एक विवादास्पद पंथ नेता के आदेश के बाद 4 लोगों की मौत की जांच शुरू कर दी है, जिन पर संदेह है कि उनकी भूख से मौत हो गई। पुलिस को कथित पंथ नेता की जमीन पर 15 कमजोर एवं भिखारी दिखने वाले पैरिशियन मिले, जो किलिफी के तटीय क्षेत्र में चर्च में काम करते थे। पुलिस ने पादरी की पहचान मैकेंज़ी एनथेंग के रूप में की है जिसने अपने अनुयायियों को यीशु से मिलने और स्वर्ग में स्थान प्राप्त करने के तरीके के रूप में खुद को भूखा रखने के लिए कहा था। जब अधिकारियों ने उन्हें पाया, तो अधिकांश अनुयायी मुश्किल से खड़े हो सकते थे, चल सकते थे या बात कर सकते थे। पुलिस के अनुसार एससीपीसी और एससीसीआईओ मालिंदी के नेतृत्व में एक टुकड़ी ने तथ्यान्वेषी के लिए घटनास्थल का दौरा किया। टीम कुछ घरों तक पहुंचने में सफल रही और उनमें से छह कमजोर लोगों में से पंद्रह लोगों को बचाने में सफल रही। एक सुरक्षा अधिकारी ने मीडिया को बताया कि उन्होंने उन्हें बहुत बुरी स्थिति में पाया, अन्य लोग अस्पताल ले जाते समय बेहोश हो गए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने एक गुप्त सूचना मिलने के बाद ऑपरेशन शुरू किया कि गुडन्यूज इंटरनेशनल चर्च के 'अज्ञानी' अनुयायी इस बहाने 'खुद को भूखा मार रहे हैं' कि वे एक संदिग्ध द्वारा ब्रेनवॉश किए जाने के बाद यीशु से मिलेंगे। बताए गए 15 में से केवल 11 ही जिंदा अस्पताल पहुंचे। स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां ??अब पास के जंगल में एक सामूहिक कब्र की रिपोर्ट देख रही हैं। संदेह है कि विवादास्पद पादरी ने अपने कई मृत अनुयायियों को कब्रिस्तान में दफनाया होगा।

किंग चार्ल्स पर अंडे फेंकने वाले छात्र को मिली बिना सैलरी 100 घंटे काम करने की सजा

लंदन। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-तृतीय पर पिछले साल अंडे फेंकने वाले छात्र को लंदन की यॉर्क अदालत ने शुक्रवार को दोषी पाया है। चार्ल्स पर अंडे फेंकने वाले छात्र ने दावा किया कि यह राज्य में हो रही हिंसा का जवाब दे रहा था। आरोपी शख्स 23 वर्षीय पैट्रिक थेलवेल है, जिसे अब 100 घंटे तक बिना किसी वेतन के सामुदायिक कार्य करने की सजा सुनाई गई है। थेलवेल को पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया गया था। यॉर्क की अदालत के मुख्य मजिस्ट्रेट न्यायाधीश पॉल गोल्डस्प्रिंग ने छात्र को दोषी पाया है। उन्होंने कहा कि थेलवेल किंग चार्ल्स को विश्वास दिलाने में लगे थे कि चार्ल्स-तृतीय के खिलाफ जल्द ही गैरकानूनी हिंसा का इस्तेमाल किया जाएगा। थेलवेल ने अदालत में अपने ऊपर लगाए गए अपराध को खारिज कर दिया। आरोपी छात्र ने कहा कि चार्ल्स पर अंडा फेंकना यह कोई हिंसा नहीं थी, बल्कि यह ब्रिटिश राज्य द्वारा की गई हिंसा के खिलाफ एक आत्मरक्षा थी। बीते साल किंग चार्ल्स-तृतीय को शाही दौरे के समय विरोध का सामना करना पड़ा था। मालूम हो कि सितंबर में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद वह किंग बने हैं। किंग बनने के बाद से ही वह पूरे ब्रिटेन में व्यापक रूप से यात्रा कर रहे हैं। जब किंग और उनकी पत्नी क्वीन कैमिला 9 नवंबर उत्तरपूर्वी शहर यॉर्क में सदस्यों से मिल रहे थे, तभी पैट्रिक थेलवेल ने चार्ल्स पर कम से कम पांच अंडे से निशाना बनाया था। भीड़ में लोगों ने थेलवेल को 'शेम ऑन यू' कहा तो कुछ ने चार्ल्स को बचाने के लिए 'गॉड सेव द किंग' के नारे लगाए। मालूम हो कि ब्रिटेन के शाही परिवार के ऊपर अंडा फेंके जाने की घटना कोई नई बात नहीं है। साल 2002 में क्वीन एलिजाबेथ-द्वितीय की शाही कार पर अंडे फेंके गए थे।

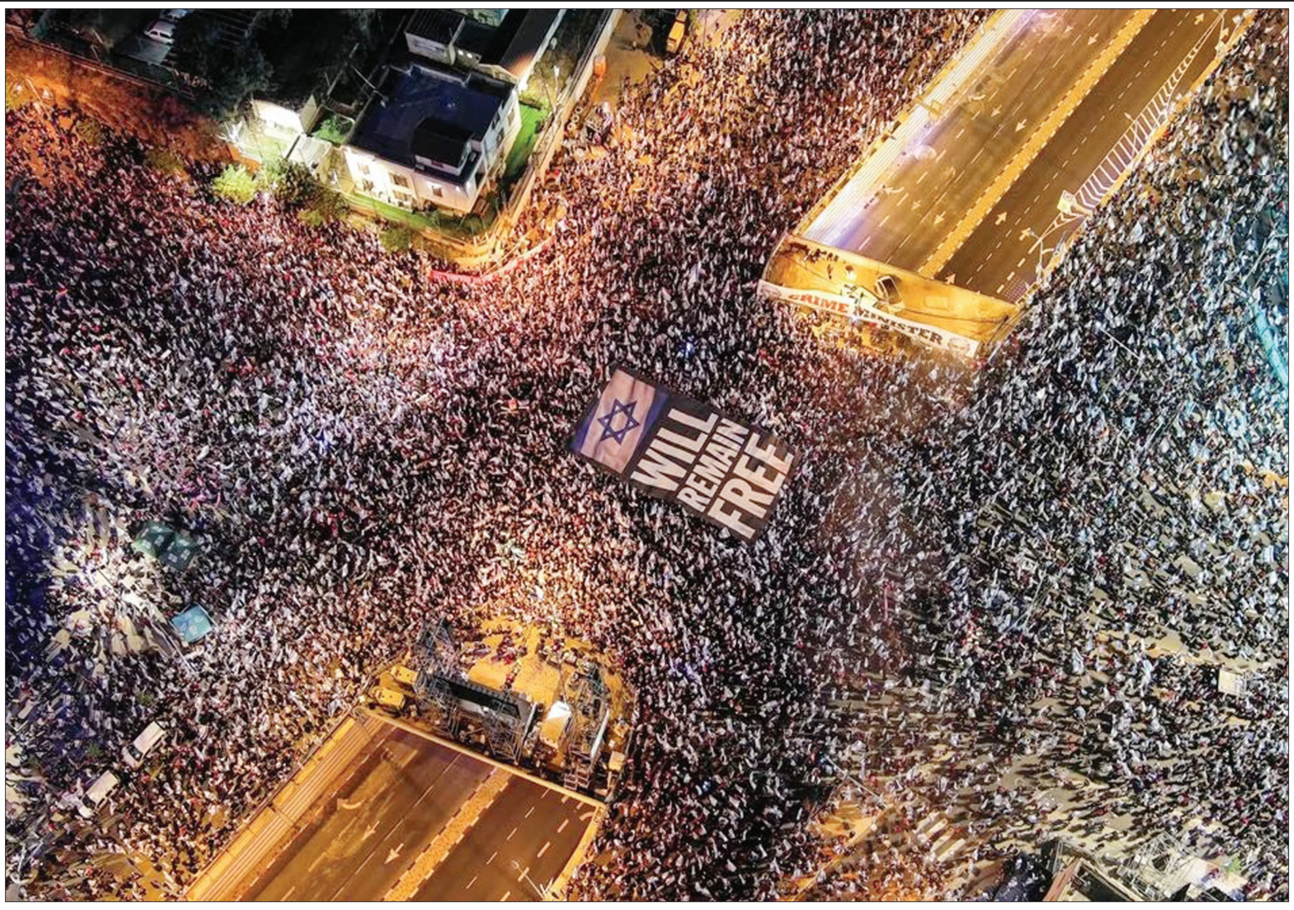

तेल अवीवी में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

शहबाज सरकार के मंत्री मुफ्ती अब्दुल शकूर की सड़क हादसे में मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक केंद्रीय मंत्री की सड़क हादसे में मौत हो गई। केंद्रीय धार्मिक मामलों के मंत्री मुफ्ती अब्दुल शकूर राजधानी इस्लामाबाद में एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने कहा कि घटना शाम को इफ्तार के वक्त हुई है। वह एक स्थानीय होटल से सचिवालय चौक की ओर जा रहे थे। एक बयान में राजधानी की पुलिस ने कहा कि मंत्री खुद कार चला रहे थे। एक कार जिसमें पांच लोग सवार थे, उनकी तरफ तेजी से आई और टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद मंत्री को राजधानी के पॉलीक्लिनिक अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया था। लेकिन खून ज्यादा बह जाने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और टक्कर मारने वाली कार में सवार सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पांच में से दो युवक घायल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद इस्लामाबाद के आईजी अकबर नासिर खान, सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब और अन्य मंत्री भी अस्पताल पहुंचे। गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने पुलिस को निर्देश दिया है कि इस घटना की पूरी जांच की जाए। इस्लामाबाद के आईजी खान ने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से कहा, शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि मुफ्ती शकूर का निधन उनके सिर में चोट लगने से हुआ है। इस्लाम के जानकार मुफ्ती अब्दुल शकूर 2018 के आम चुनावों में मुत्तहिदा मजलिस-ए-अमल (एमएमए) के प्रत्याशी थे और जीत कर संसद पहुंचे थे। राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी ने भी केंद्रीय मंत्री के निधन पर अपना शोक व्यक्त किया। इसके अलावा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने भी शोक प्रकट किया।

मोदी ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में जनभागीदारी का आह्वान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में लोगों की भागीदारी के साथ-साथ सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोई विचार तब जन आंदोलन बन जाता है, जब वह 'चर्चा की मेज़ से रात्रि भोज की मेज़' तक पहुंच जाता है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को विश्व नेताओं से कहा कि जब लोग इस बात को लेकर सजग हो जाते हैं कि रोजाना के जीवन में की गई उनकी छोटी-छोटी कोशिशें भी बेहद कारगर साबित हो सकती हैं, तो पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने विश्व बैंक की ओर से 'मेकिंग इट पर्सनल : हाउ बिहेवियरल चेंज कैन टैकल क्लाइमेट चेंज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में कहा, 'दुनियाभर के लोग जलवायु परिवर्तन के बारे में बहुत कुछ सुनते हैं। उनमें से कई लोग बहुत बेचैनी महसूस करते हैं, क्योंकि वे नहीं जानते कि वे इसका प्रभाव कम करने के लिए क्या कर सकते हैं। उन्हें लगातार एहसास कराया जाता है कि इसमें सिर्फ सरकारों या वैश्विक संस्थानों की ही भूमिका है। अगर उन्हें पता चल जाए कि वे भी योगदान दे सकते हैं, तो उनकी बेचैनी कार्रवाई में बदल जाएगी।'

पिछले साल अक्टूबर में उनके और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा शुरू किए गए 'मिशन लाइफ' का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का मकसद जलवायु परिवर्तन के खिलाफ

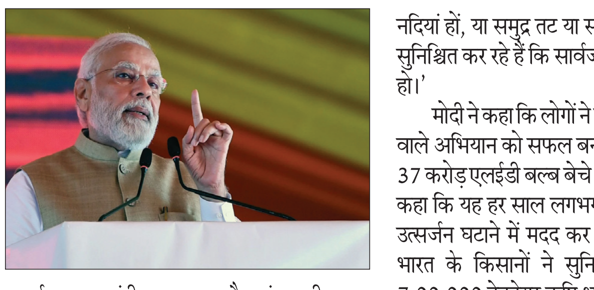

लड़ाई का प्रजातंत्रीकरण करना है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक वसंत बैठकों के इतर आयोजित इस सम्मेलन में मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मुकाबला सिर्फ सम्मेलन कक्ष की मेज़ पर बैठकर नहीं किया जा सकता है, बल्कि इसकी लड़ाई हर घर से लड़ी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'जब कोई विचार चर्चा की मेज़ से रात्रि भोज की मेज़ तक पहुंचता, तो यह एक जन आंदोलन बन जाता है और हर परिवार एवं व्यक्ति इसका हिस्सा बना जाता है। उनके द्वारा उठाए गए छोटे-छोटे कदम पृथ्वी की मदद करने के साथ-साथ इस जन आंदोलन को गति प्रदान कर सकते हैं।' मोदी ने कहा कि भारत के लोगों ने इस मामले में बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में, जन प्रयासों ने भारत के कई हिस्सों में लिंगानुपात में सुधार किया है। लोगों ने बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया है। चाहे नदियां हों, या समुद्र तट या सड़कें, भारत के लोग यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न हो।'

मोदी ने कहा कि लोगों ने ही एलईडी बल्ब अपनाने वाले अभियान को सफल बनाया और भारत में करीब 37 करोड़ एलईडी बल्ब बेचे जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हर साल लगभग 3.9 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के किसानों ने सुनिश्चित किया कि करीब 7,00,000 हेक्टेयर कृषि भूमि सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के दायरे में आए। मोदी ने रेखांकित किया कि प्रति बूंद अधिक फसल के मंत्र को साकार करते हुए इससे भारी मात्रा में पानी की बचत हुई है।

मोदी ने कहा, ''मिशन लाइफ के तहत, हमारे प्रयास कई क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जैसे स्थानीय निकायों को पर्यावरण के अनुकूल बनाना, पानी की बचत, ऊर्जा की बचत, अपशिष्ट और ई-कचरे को कम करना, स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना, प्राकृतिक खेती को अपनाना और मोटे अनाज को बढ़ावा देना।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से 22 अरब यूनिट बिजली की बचत होगी, नौ हजार अरब लीटर पानी बचेगा, 37.5 करोड़ टन कचरे में कमी आएगी और करीब लाख टन ई-कचरे का पुनर्चक्रण होगा। उन्होंने कहा, 'ये प्रयास 15 अरब टन खाद्यान्न की बर्बादी रोकने में भी हमारी मदद करेंगे।'

नेपाल के नये विदेश मंत्री होंगे नारायण प्रसाद सऊद

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाली कांग्रेस के नेता नारायण प्रसाद सऊद नेपाल के नये विदेश मंत्री होंगे। और वह रविवार दोपहर के बाद शपथ लेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा ?कि सऊद को विदेश मंत्री बनाने का निर्णय सीपीएन-माओवादी सेंटर के अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल की उपस्थिति में सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक के दौरान लिया गया। साठ वर्षीय सऊद नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय समिति के सदस्य भी हैं और उन्हें सुदूर-पश्चिमी नेपाल के निर्वाचन क्षेत्र कंचन से प्रतिनिधि सभा के लिए चुना गया है। उन्होंने पहले शिक्षा और खेल राज्य मंत्री और सिंचाई मंत्री के रूप में कार्य किया है। नेपाली कांग्रेस के एक उच्च-स्तरीय सूत्र के अनुसार, सऊद रविवार दोपहर राष्ट्रपति भवन में पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में नेपाली कांग्रेस पार्टी के चार मंत्री हैं, हालांकि नेपाली कांग्रेस को आठ मंत्री पद देने की सहमति बनी थी। प्रतिनिधि सभा में

सबसे बड़ी पार्टी में आंतरिक कलह के कारण नेपाली कांग्रेस शेष चार मंत्रियों के नाम पर फैसला नहीं कर सकी। हालांकि, प्रधानमंत्री प्रचंड ने दक्षिण पड़ोसी, भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए सऊद को विदेश मंत्री नियुक्त करने का निर्णय लिया। नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री प्रचंड दो सप्ताह के भीतर भारत के दौरे पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय वर्तमान में प्रधानमंत्री की भारत की आगामी आधिकारिक यात्रा की तैयारी में व्यस्त है। हालांकि यात्रा की तारीख और कार्यक्रम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

विदेशों में रहने वाले नागरिकों के लिए मतदान की व्यवस्था करेगा नेपाल : प्रचंड

काठमांडू (एजेंसी) नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड'का कहना है कि उनकी सरकार विदेशों में रहने वाले नेपाली नागरिकों के वोट डालने के लिए उचित व्यवस्था करेगी। नेपाल के विदेश रोजगार विभाग ने बताया कि 2021 में रोजगार के सिलसिले में 6,50,000 से ज्यादा नेपाली विदेश चले गए। सीपीएन (माओवादी सेंटर) प्रवासी समन्वयन समिति के एक कार्यक्रम को शुक्रवार को ऑनलाइन संबोधित कर रहे प्रचंड ने कहा, ''विदेशों में रह रहे नेपालियों को वोट डालने की सुविधा देने के लिए व्यवस्था की जाएगी।'' 'माई रिपब्लिका' अखबार की खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि इस कदम से लाखों प्रवासी नेपालियों को लाभ होगा और वे अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विदेशों में रहने वाले नेपालियों द्वारा भेजे जाने वाले आय से देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। नेपाल सरकार का अनुमान है कि विदेश में रहने वाले नेपालियों द्वारा भेजी जा रही राशि देश के राष्ट्रीय आय का करीब एक चौथाई हिस्सा (25 प्रतिशत) है। पिछले कुछ वर्षों में विदेशों में कार्यरत नेपालियों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का नेपाल के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। नेपाल को 2021 में विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों से 961.05 अरब नेपाली रुपया प्राप्त हुआ था जो देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 22 प्रतिशत था।

शांतिपूर्ण हालात के बीच जम्मू में भारत-पाकिस्तान सीमा पर कटाई शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर साल भर के संघर्षविराम के कारण बनी शांति के बीच जम्मू-कश्मीर के गजनसू क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे इलाके में शनिवार से गेहूं की कटाई शुरू हो गई। जम्मू से करीब 55 किलोमीटर दूर गोलपत्तन-चिनोर क्षेत्र में सीमा पर लगी बाड़ के दोनों तरफ करीब 2,300 एकड़ जमीन पर फैले कृषि विभाग के बीज गुणन फार्म जीरो लाइन पर स्थित है, जहां गेहूं फसल की कटाई के लिए आदमी और मशीनें सुबह से ही हरकत में आ गए। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर पिछले साल से संघर्षविराम जारी है।

इसने जम्मू-कश्मीर में सीमा पार गोलाबारी के लगातार डर के साए में रहने वाले सीमावर्ती निवासियों के बीच एक शांतिपूर्ण भविष्य की उम्मीदें फिर से जगा दी हैं। संघर्ष विराम की घोषणा दोनों सेनाओं ने गत 25 फरवरी को जारी संयुक्त बयान में की थी। चिनोर स्थित बीज गुणन फार्म के प्रबंधक कुलदीप राज ने पीटीआई-से कहा, हमने इस खेत में गेहूं की फसल की कटाई शुरू कर दी है। हमारी फसल पक चुकी है। हमें इस खेत में कटाई पूरी करने में कुछ दिन लगेंगे।

उन्होंने कहा कि सीमा पर लगे बाड़ के दोनों तरफ फैली 2,290 एकड़ जमीन पर कटाई हो रही है। उन्होंने कहा, ''इस तरफ कटाई पूरी होने के बाद, हम बीएसएफ के सहयोग से 280 एकड़ क्षेत्र में बाड़ के पार कटाई करेंगे।'' अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) की रखवाली कर रहे बीएसएफ के जवान कृषि विभाग के किसानों और कर्मचारियों को सीमा की बाड़ के पार अपनी जमीन पर खेती करने और फसल काटने की अनुमति देते हैं। जम्मू और कश्मीर सरकार का बीज गुणन फार्म, समग्र कृषि विकास

योजना के तहत किसानों को वितरण के लिए उच्च उपज वाले बीजों का उत्पादन करने वाले जम्मू क्षेत्र के सबसे बड़े फार्म में से एक है। खेत में 200 एकड़ जमीन पर जई, आलू, सरसों और कई अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं।

मंगल ग्रह पर मिले प्राचीन जीवन के निशान, नासा को मिला नया सबूत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा को प्राप्त हुई एक तस्वीर से मंगल ग्रह पर प्राचीन काल में जीवन होने के निशान मिलने का दावा किया जा रहा है। नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल पर पत्थरों के अजीब संरचना की तस्वीरें खीचीं हैं। इन तस्वीरों में मंगल के पत्थरों की अंदरूनी बनावट को दिखाया गया है। ये बनावट पूर्व ऐतिहासिक काल के जानवरों के कंकाल अवशेषों की तरह दिखते हैं। क्यूरियोसिटी रोवर की इन तस्वीरों में चट्टान जैसी संरचना से बाहर निकली हुई स्पाइक्स का एक गुच्छा भी दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार ये तस्वीरें मंगल ग्रह पर 154 किलोमीटर लंबे गेल क्रेटर के सतह पर ली गई थीं। इन तस्वीरों को कैद करने के लिए क्यूरियोसिटी रोवर ने मास्ट कैमरा और केमकैम का उपयोग किया था। अब इन तस्वीरों ने मंगल पर प्राचीन जीवन की उपस्थिति को लेकर एक बहस छेड़ दी है।

गौरतलब है कि नासा के मार्स साइंस लेबोरेटरी (एमएसएल) मिशन के हिस्से के रूप में क्यूरियोसिटी रोवर अगस्त 2012 से गेल क्रेटर में घूम रहा है।

इन तस्वीरों को देखने वाले कुछ लोगों का मानना है कि यह एक मछली का अवशेष है। जबकि, कई अन्य का मानना है कि यह एक देवदार के पेड़ की शाखा जैसा दिखता है। हालांकि, एक बात सुनिश्चित है, जो सभी लोग मान रहे हैं कि ये तस्वीरें अविश्वसनीय हैं। गेल क्रेटर के कुछ पत्थरों में हड्डी जैसी संरचना भी पाई गई है। ?जिससे इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि मंगल ग्रह पर कभी पानी के बड़े-बड़े तालाब थे। यह भी संभावना है कि इसकी सतह के नीचे आज भी कुछ पानी छिपा हो सकता है। गेल क्रेटर मंगल ग्रह पर मौजूद सबसे बड़ी झीलों में से एक है। इसकी उत्पत्ति 3.5 से लेकर 3.8 अरब साल पहले की बताई जा रही है। गेल क्रेटर जो कभी झील हुआ करती थी, वो अब 154 किलोमीटर चौड़ा एक गड्ढा है।

भारत और अमेरिका मजबूत, शांतिपूर्ण वैश्विक समुदाय की नींव रख रहे : सीतारमण

वाशिंगट (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत और अमेरिका मजबूत, शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण वैश्विक समुदाय की नींव रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, ''जब हम विविधता का जश्न मनाते हैं, समावेशिता का जश्न मनाते हैं, तो यह भी अहम है कि ऐसा करते समय हम ढेर सारे सकारात्मक विचार साझा करें।'' उन्होंने कहा कि आज जब ''हम एकजुटता का जश्न मनाते हैं, तो यही भावना भारत और अमेरिका के संबंधों को नियंत्रित करती है-दो लोकतांत्रिक देशों का सकारात्मक सोच वाला ऐसा रिश्ता, जिसकी अपनी अलग चुनौतियां और अंदरूनी समस्याएं हैं, लेकिन हम उन्हें अपने पर हावी नहीं होने देते।'' सीतारमण ने देश की विविधता का जश्न मनाने के लिए यहां भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित एक समारोह में भारतीय-अमेरिकियों से कहा, ''हम साथ हैं और एक मजबूत, शांतिपूर्ण एवं सामंजस्यपूर्ण वैश्विक समुदाय के लिए ठोस नींव रख रहे हैं। मुझे लगता है कि इसलिए अमेरिका में भारतीय समुदाय, भारतीय मूल के लोगों का योगदान अहम है।'' उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों से कहा कि आपने खुद को समेकित किया या आप अपने मूल स्थान को प्यार से याद करते हैं, लेकिन आप आज अमेरिका का हिस्सा हैं और एक बहुत ही गतिशील और मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, ''भारत में भी बिल्कुल ऐसा ही है। वहां विभिन्न धर्मों, विभिन्न समुदायों एवं विभिन्न भाषाओं के लोगों के बीच मतभेद हैं।''

उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटल उपलब्धियों की बात की जाए, तो भारत की अलग-अलग भाषाओं में डिजिटल प्लेटफार्म होना उपलब्धि है। मंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि कई ऐसी बोलियां भी हैं, जो बोली जा सकती है, लेकिन लिखी नहीं जा सकतीं, क्योंकि उनकी लिपि नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे अधिकतर (डिजिटल) प्लेटफॉर्म अब क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध हैं।'' मंत्री ने कहा कि ये सफलता के माध्यम हैं। सीतारमण ने कहा कि इसलिए विविधता संबंधी हर मामले को आधुनिक भारत के निर्माण के लिए एक लाभ के रूप में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा, ''मैं चाहती हूं कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध और मजबूत हों।

ओडिशा की संबलपुर हिंसा के मामले में 79 लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/संबलपुर। ओडिशा पुलिस ने संबलपुर में हनुमान जयंती समारोह के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में 79 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संबलपुर में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है, लेकिन वहां अब भी कर्फ्यू लागू है एवं इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। संबलपुर के पुलिस अधीक्षक बी गंगाधर ने बताया कि शनिवार तड़के शहर में कर्फ्यू लगाए जाने की घोषणा किये जाने के बाद से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। पुलिस ने कहा कि अब भी कई आरोपी फरार है। गंगाधर ने कहा, '' 12 अप्रैल को बाइक रैली के दौरान हुए पथराव के सिलसिले में 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि 14 अप्रैल को जुलूस के दौरान हुई हिंसा एवं आगजनी को लेकर 53 अन्य को हिरासत में लिया गया है।'' उन्होंने कहा, '' अबतक जो संकेत मिले हैं, उससे लगता है कि यह सुनियोजित हिंसा थी। आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।'' पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राज्य सरकार ने संबलपुर जिले में 17 अप्रैल पूर्वाह्न दस बजे तक के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी हैं। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक सुनील के बंसल ने कहा कि हिंसा में लिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा उन्हें उम्मीद है कि शहर में एक-दो दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। पुलिस ने कहा कि वैसे रविवार को विद्यार्थियों तथा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के उम्मीदवारों के लिए निषेधाज्ञा में ढील दी गई। इस बीच, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार इस मामले से निपटने में 'तुष्टिकरण की नीति' अपना रही है। उनके आरोप पर सत्तारूढ़ बीजू जनता दल के विधायक अमर सतपति ने कहा कि सरकार ने कानून के मुताबिक कदम उठाया है।

छत्तीसगढ़ : बारहसिंगे का सींग बेचने का प्रयास करते दो गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने कथित रूप से बारहसिंगे के सींग बेचने का प्रयास कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन लाख रुपये कीमत के सींग बरामद किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को शहर के विनोबा भावे नगर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि एक आरोपी महाराष्ट्र का जबकि दूसरा रायपुर का निवासी है। दोनों की उम्र 37 साल है। अधिकारी ने बताया, ''मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के ईरीगेशन कालोनी से रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उस वक्त दोनों सींग बेचने के लिए ग्राहक खोज रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''उनके पास से एक बोरे में रखे तीन लाख रुपये कीमत के दो सींग बरामद हुए हैं। दोनों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से सींग खरीदे थे।'' पुलिस ने बताया कि वन्यजीव (संरक्षण) कानून के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

विश्व प्रसिद्ध आस्था के केंद्र खाटूश्याम जी तक अब होगी सीधी रेल कनेक्टिविटी

मुंबई। रेलवे द्वारा रींगस के समीप स्थित विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र खाटूश्याम जी को सीधे रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए एफएलएस करने की मंजूरी प्रदान की गई है। खाटूश्याम जी के दर्शन हेतु प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु विभिन्न माध्यमों जैसे रेल, रोड तथा पैदल मार्ग से दर्शन के लिए आते हैं। प्रतिदिन क़रीब 30,000 श्रद्धालु आम दिन दर्शनार्थ आते हैं। शुक्रवार, शनिवार और रविवार को 4 से 5 लाख श्रद्धालु आते हैं। एकादसी के समय 10 लाख श्रद्धालु मार्च मेला जो 15 दिन का होता है में 30 लाख से 40 लाख श्रद्धालु आते हैं. यह मंदिर सबसे जायदा श्रद्धालु आने वाले भारतीय मंदिरों में एक है। रेल से आने वाले श्रद्धालु रींगस तक रेल से आते हैं उसके पश्चात वह विभिन्न साधनों से खाटू तक पहुंचते हैं। रींगस से खाटू तक का सफर सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए *रेलवे ने सांस्कृतिक धरोहर व धार्मिक आस्था के केंद्रों को जोड़ने की योजना के तहत रींगस से खाटूश्यामजी तक नई रेल लाइन के सर्वे को मंजूरी प्रदान की है। सर्वे का काम शीघ्र ही पूरा करके इस नई रेल लाइन के काम को स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द खाटूश्यामजी तक रेल सुविधा प्राप्त हो सके। रेलवे द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी के मिशन विरासत और विकास के तहत धार्मिक स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

हिमाचल में आत्महत्या के मामलों में आई 14 फीसदी की कमी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 2021 के मुकाबले 2022 में आत्महत्या के मामलों में 14 फीसदी की कमी दर्ज की गई। पुलिस विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 2021 में राज्य में जहां खुदकुशी के 889 मामले सामने आए थे, वहीं 2022 में यह संख्या घटकर 758 हो गई। मालूम हो कि कोविड-19 महामारी के दौरान नौकरियां जाने, खराब सेहत और भविष्य को लेकर अनिश्चितताओं के कारण हिमाचल में आत्महत्या के मामलों में वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार राज्य में 2020 से 2022 के बीच कुल 2 हजार 505 लोगों ने खुदकुशी की, जिनमें 1710 पुरुष और 792 महिलाएं शामिल हैं। इनमें बताया गया है कि 2019 में हिमाचल में 709 लोगों ने आत्महत्या की और 2020 व 2021 में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप चरम पर पहुंचने के दौरान अपनी जान लेने वाले लोगों की संख्या क्रमश- 855 और 889 दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार राज्य में 2020 से 2022 के बीच खुदकुशी करने वालों में 28 फीसदी श्रमिक, 24 फीसदी गृहिणी, 11 फीसदी छात्र, 10 फीसदी निजी कंपनियों के कर्मचारी, चार फीसदी व्यवसायी एवं सरकारी कर्मी, तीन फीसदी किसान और 16 फीसदी अन्य लोग शामिल हैं। महामारी के 2021 में मनोवैज्ञानिक प्रभाव आंकने के लिए एचपीएसएमएचए की ओर से किए गए एक सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश में 42.92 फीसदी लोगों के अपने और अपने परिवार के भविष्य को लेकर चिंतित होने की बात सामने आई थी। सर्वेक्षण से पता चला था कि 40.46 प्रतिशत लोग आर्थिक नुकसान के कारण तनावग्रस्त रहते थे, जबकि 50 फीसदी महामारी संबंधी खबरों से परेशान और अवसादग्रस्त महसूस करते थे।

दहेज हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास, सास-ससुर आरोपमुक्त

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की एक अदालत ने दहेज हत्या के एक मामले में मृतका के पति को दोषी करार दिया है, जबकि आरोपी सास व ससुर को साक्ष्य के अभाव में आरोपमुक्त कर दिया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) अमित कुमार पाठक ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश (तृतीय) राजेश कुमार की अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों पर गौर करने तथा अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलों को सुनने के बाद शनिवार को पति कुलदीप को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई तथा उस पर 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। अर्थदंड की अदायगी न करने पर दोषी को पांच माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। उन्होंने बताया कि अदालत ने आरोपी सास-ससुर को साक्ष्य के अभाव में आरोपमुक्त करार दिया, जबकि एक अन्य आरोपी राम रंग की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई थी। पाठक ने घटना के संदर्भ में बताया कि जिले के कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम चतरूपुर मौजा नकार निवासी गिरीश कुमार ने 15 अगस्त 2019 को स्थानीय थाने में शिकायत देकर बताया था कि उन्होंने अपनी बेटी नीतू की शादी गांव के ही निवासी कुलदीप के साथ की थी। शिकायत में कहा गया था कि दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी का पति कुलदीप, सास, ससुर तथा राम रंग उसे प्रताड़ित करते थे और बाद में मारपीट कर व गला दबाकर नीतू की हत्या कर दी। स्थानीय पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दायर किया। अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद पति को सजा सुनाई और सास-ससुर को आरोपमुक्त कर दिया।

एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या, धारदार हथियार से किया हमला

बांदा। उप्र के बांदा जिले में चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। मामले की जानकारी होते ही पुलिस अधीक्षक दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक और डॉग स्कायड की टीम हत्यारोपी की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक का पारिवारिक विवाद उनके बेटे से चल रहा था। उसी पर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

बिना नाम लिए प्रियंका गांधी ने कसा अतीक की हत्या पर तंज, कहा-

सियासी मकसद से कानून के राज से खिलवाड़ करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अतीक अहमद दशकों तक उत्तर प्रदेश के लोगों के दिलों में आतंक मचाने वाले गैंगस्टर से नेता बने और जो शनिवार को यूपी के प्रयागराज में अपने भाई अशरफ के साथ मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय मारे गए। तीन हमलावरों ने अतीक और उनके भाई पर गोलियां चलाई। पूरी वारदात की तस्वीरें मीडिया के कैमरे में कैद हो गयी। माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गोली मारकर हत्या किए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि देश के कानून के तहत अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और सियासी मकसद से कानून के राज और न्यायिक प्रक्रिया से खिलवाड़ करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है।

प्रियंका गाधी उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

अतीक (60) और उसके भाई अशरफ की शनिवार रात अज्ञात हमलावरों ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब पुलिस दोनों को चिकित्सा जांच के लिए मेडिकल कॉलेज ले जा रही थी। पत्रकारों की भेष में आए तीन हमलावरों ने अतीक और उसके भाई को उस समय बहुत करीब से गोली मार दी, जब वे मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रह थे, जबकि उनके आसपास पुलिस कर्मियों का पहरा था। इस दोहरे हत्याकांड का एक वीडियो सार्वजनिक हुआ है, जिसमें तीन हमलावर दोनों भाइयों को गोली मारते नजर आ रहे हैं और गोली लगते ही दोनों जमीन पर गिर जाते हैं।

प्रियंका ने किसी का नाम लिए बगैर ट्वीट किया

प्रियंका ने किसी का नाम लिए बगैर ट्वीट किया कि देश का कानून संविधान में लिखा गया है और यह कानून सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, ''अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, लेकिन ऐसा देश के कानून के तहत किया जाना चाहिए। किसी भी सियासी मकसद से कानून के राज और न्यायिक प्रक्रिया से खिलवाड़ करना या उसका उल्लंघन करना हमारे लोकतंत्र के लिए सही नहीं है।'

कांग्रेस नेता ने कहा, 'जो भी ऐसा करता है, या ऐसे करने वालों को सरंक्षण देता है, उसे भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उस पर भी सख्ती से कानून लागू होना चाहिए।÷ उन्होंने कहा, ÷देश में न्याय व्यवस्था और कानून के राज का इकबाल बुलंद हो, यही हम सबकी कोशिश होनी चाहिए।' अहमद और उसके भाई अशरफ को 2005 के उमेश पाल हत्याकांड के सिलसिले में सुनवाई के लिए प्रयागराज लाया गया था। झांसी में 13 अप्रैल को अहमद का बेटा असद और उसका एक साथी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए थे। असद का शव शनिवार सुबह प्रयागराज में कसारी मसारी कब्रिस्तान में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दफनाया गया था।

बिहार जहरीली शराब त्रासदी में 20 गिरफ्तार, भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

मोतिहारी/पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में मोतिहारी के अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में जहरीली शराब बरामद की है और इस संबंध में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले, जिले में संदिग्ध जहरीली शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 14 हो गयी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन की ओर से रविवार को जारी बयान के अनुसार, मोतिहारी के विभिन्न इलाकों में छापेमारी के बाद ''अवैध शराब के कारोबार में शामिल'' 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें बताया गया कि उनके कब्जे से लगभग 85.5 लीटर शराब बरामद की गई है। बयान के अनुसार, ''जिला पुलिस को शनिवार को सूचना मिली कि तुरकौलिया, हरसिद्धि, सुगौली और पहाड़पुर में शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि शराब पीने के बाद कुछ लोगों की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई।'' आबकारी विभाग के अधिकारी भी इस मामले की जांच कर रहे हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने अप्रैल 2016 में बिहार में शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि, शराब तस्करों के खिलाफ जारी अभियान के बावजूद राज्य से शराब की तस्करी की घटनाएं सामने आ रही हैं। दिसंबर 2022 में सारण जिले में जहरीली शराब पीने से सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

सावरकर मुद्दे को लेकर बयानबाजी रोकने में नाकामयाब रही उद्धव की चेतावनी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सावरकर मुद्दे को लेकर उद्धव ठाकरे की चेतावनी भी नाकामयाब होती दिखाई दे रही है। यहीं वजह है कि महाराष्ट्र में एमवीए में आज भी मतभेद कायम है। हालांकि सावरकर को लेकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चेतावनी भी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर राहुल सावरकर पर विवादित बयान देना बंद नहीं करेंगे तो शिवसेना महाविकास अघाड़ी से किनारा कर सकती है। शरद पवार ने भी सावरकर की तारीफ की थी। तमाम विरोधों के बावजूद कांग्रेस के नेता सावरकर मुद्दे पर विवादित बयान दे रहे हैं। ताजा मामले की बात करें तो शिवानी वडेट्टीवार ने सावरकर पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बलात्कार को राजनीतिक हथियार मानने वाले सावरकर हिंदुओं के आदर्श कैसे हो सकते हैं? शिवानी वडेट्टीवार महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता पूर्व मंत्री रह चुके विजय वडेट्टीवार की बेटी हैं। इतना ही नहीं शिवानी ने अपने एक भाषण का वीडियो

ट्वीट किया है। जिसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गया है। अब इस मुद्दे पर बीजेपी नेता, उद्धव ठाकरे से यह सवाल कर रहे हैं कि वह सावरकर के अपमान पर चुप बैठे रहेंगे या कुछ बोलेंगे?

बीजेपी नेताओं द्वारा कांग्रेस और उद्धव ठाकरे को घेरते हुए शिवानी वडेट्टीवार का वीडियो रिट्वीट किया जा रहा है। साथ ही ठाकरे गुट से यह सवाल किया जा रहा कि जिस विनायक दामोदर सावरकर को बालासाहेब ठाकरे अपना आदर्श मानते थे। उन्हीं का आज एमवीए की घटक कांग्रेस द्वारा बार-बार अपमान हो रहा है। आखिर सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे का कांग्रेस के साथ यह कैसा समझौता और लाचारी है? महाराष्ट्र में बीजेपी और शिंदे गुट उद्धव ठाकरे पर यह आरोप लगाता रहता है कि उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के विचारों से समझौता कर कांग्रेस से हाथ मिला लिया। शिवानी वडेट्टीवार ने अपने वीडियो में कहा है कि 'यह लोग फुले, शाहू, आंबेडकर पर कभी मार्च नहीं निकालेंगे, सावरकर पर निकालेंगे। सावरकर मार्च निकाल कर यह लोग क्या कर रहे हैं? यहां माताएं और बहनें बैठी हैं। उन्हें भी डर लगेगा यह जानकर कि सावरकर के विचार क्या थे? सावरकर यह मानते थे कि बलात्कार एक राजनीतिक हथियार है जिसे विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल में लाना चाहिए।

राजस्थान में कांग्रेस में कुर्सी का झगड़ा : वसुंधरा राजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कुर्सी का झगड़ा है और इसका खामियाजा राज्य की जनता को भुगतना पड़ रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट के बीच राजनीतिक खींचतान की ओर इशारा करते हुए राजे ने कहा, ''आज अशोक गहलोत कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दूसरी सरकारों को अपने हाथ में लेने की कोशिश करती है लेकिन सच तो यह है कि 2008, 2018 में उन्?होंने भी जो सरकार बनाई वह जोड़-तोड़ की सरकार बनाई।'' राजे ने कहा, ''(गहलोत) अल्पमत में तब भी थे और आज भी हैं।

उनकी पार्टी के विधायक उनके खिलाफ हैं और उनमें मंत्री रोज विरोध में कुछ न कुछ बात करते रहते हैं।'' राजे भरतपुर में पार्टी के बूथ अध्यक्ष 'संकल्प महासम्मेलन' को संबोधित कर रही थीं, जहां मंच पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे। राजे ने कहा, ''अराजकता, आतंक, अन्याय और बेरोजगारी... राजस्थान, इस सरकार का पर्याय बन गया है। यहां झगड़ा हो रहा है... यहां कांग्रेस का एक व्यक्ति तो कुर्सी छोड़ना नहीं चाहता है तो दूसरा कहता है कि कुर्सी मैं उसे देने नहीं दूंगा, उस कुर्सी पर मैं डटा रहूंगा। उनके बीच में राजस्थान की जनता पिस रही है।''

उल्लेखनीय है कि पायलट ने पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में मौजूदा गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने के विरोध में मंगलवार को जयपुर में एक दिवसीय 'अनशन' किया था। बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, राजे ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के बारे में बात की।

राजे ने कहा, ''उनकी पूववर्ती सरकार ने इस योजना की परिकल्पना की थी लेकिन मुझे अफसोस है कि गहलोत ने इसके लिए पर्याप्त दृढ़ इच्छा शक्ति नहीं दिखाई और इसे आगे बढ़ाने के लिए काम ही नहीं किया। वे केवल बात करते रहें।'' उल्लेखनीय है कि गहलोत लंबे समय से इस परियोजना को 'केंद्रीय परियोजना' का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। राजे ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''कांग्रेस की गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार ने महिला अत्याचार, दलित अत्याचार, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सांप्रदायिक उन्माद में बहुत ऊंचाई नापी है।

अतीक-अशरफ की हत्या के बाद एक्शन मोड में गृह मंत्रालय, पत्रकारों के लिए तैयार की जाएगी एसओपी

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रयागराज में खुद को पत्रकार बताकर अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या करने वाले तीन हमलावरों के बाद केंद्र पत्रकारों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगा। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय द्वारा एसओपी उठाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में फर्जी पत्रकार बने तीन लोगों ने माफिया से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी। शनिवार की देर शाम पूरे देश को झकझोर देने वाली इस हत्या को उत्तर प्रदेश पुलिस की भारी तैनाती के दौरान अंजाम दिया गया था, जब गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और अशरफ को एक परीक्षा के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था।

गौरतलब है कि हत्या कैमरे में कैद हुई और आरोपियों ने दोनों के आने के समय आसपास रहने के लिए खुद को मीडियाकर्मियों के रूप में बताया था। आतीक-अशरफ को तीन लोगों द्वारा गोली मार दी गई थी। गोली मारने वालों को कुछ ही समय बाद पकड़ लिया गया था। यह हादसा तब हुआ जब अतीक और

अशरफ दोनों पत्रकारों से बात कर रहे थे। पुलिस मौके पर मौजूद थी और उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जा रही थी।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू चार दिन रहेंगी शिमला में, डेढ़ हजार अतिरिक्त जवानों की तैनाती

शिमला (एजेंसी)। राष्ट्रपति के शिमला दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। चारों ओर पहाड़ों रानी शिमला को खूब सजाया जा रहा है। जगह-जगह पर साफ सफाई की जा रही है। सड़कों की टारिंग की जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद की जा रही है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति बनने के बाद द्रोपदी मुर्मू का ये पहला शिमला दौरा है। राष्ट्रपति 18 अप्रैल को शिमला आएंगी। जानकारी के अनुसार, शिमला के छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति निवास रिट्रीट में राष्ट्रपति मुर्मू ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन भी करेंगी। 19 अप्रैल को एचपीयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। 20 अप्रैल को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान यानि इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टीज में भी जाने का कार्यक्रम है। 20 अप्रैल को राष्ट्रपति निवास में एट होम का आयोजन होगा और 21 अप्रैल को राष्ट्रपति वापस दिल्ली लौटेंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर शिमला में पुलिस पूरी तरह से चौकस नजर आ रही है। शिमला शहर को 6 सेक्टर में बांटा जाएगा और हर सेक्टर की जिम्मेदारी एक गेजेटिड ऑफिसर की रहेगी। इसके अलावा सुरक्षा एजेंसियों ने भी डेरा डाल दिया है। करीब 1500 जवानों पर इस दौरान सुरक्षा का जिम्मा रहेगा और लगभग 250 जवान यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखेंगे। इसके अलावा जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट से लेकर छराबड़ा तक पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, यारोज और राजभवन के आसपास भी सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसी क्रम में पुलिस ने छराबड़ा से लेकर ढली, संजौली, नवबहार, अनाडेल तक लगभग 16 किलोमीटर तक सड़क के किनारे अवैध रूप से पार्क गाडियों को हटाने का काम शुरू कर दिया है, गाड़ियों पर नोटिस भी चस्पां किए गए हैं।

उमेश पाल हत्याकांड के 6 मुख्य आरोपियों की मौत, अन्य फरार

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 24 फरवरी को हुई वकील उमेश पाल की हत्या के मामले 6 मुख्य आरोपी मारे जा चुके हैं। उमेश पाल की हत्या के बाद से इस मामले के 8 आरोपियों में से कुल 6 को मार दिया गया है। अरबाज, जो 24 फरवरी को कथित तौर पर हत्यारों के वाहन का चालक था, 27 फरवरी को प्रयागराज में एक मुठभेड़ में मारा गया। उस्मान उर्फ विजय चौधरी 6 मार्च को प्रयागराज में एक अन्य कथित मुठभेड़ में मारा गया। झांसी में 13 अप्रैल को पुलिस ने अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया।

असद और गुलाम उमेश पाल पर फायरिंग करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। उमेश पाल हत्याकांड के मास्टर माइंड अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की शनिवार रात प्रयागराज में तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई को उमेश पाल की हत्या के मामले की सुनवाई के लिए गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज लाया गया था। हत्या के समय दोनों पुलिस हिरासत में थे।

अपराध में इस्तेमाल क्रेटा के मालिक, जिसकी पहचान रुखसार अहमद के रूप में हुई है, रुखसार को पहले उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से पकड़ा गया था। क्रेटा के दस्तावेजों में रुखसार अहमद का नाम दर्ज था और सूत्रों ने बताया कि वह प्रयागराज के करेली में एक ट्रैवल एजेंसी का संचालक है। घटना के बाद रुखसार परिवार समेत फरार हो गया था। बिरयानी की दुकान चलाने वाले नफीस अहमद ने करेली निवासी रुखसार अहमद को कार ट्रांसफर कर दी थी। कार मालिक रुखसार अहमद नफीस अहमद का करीबी रिश्तेदार बताया जाता है।

शेष दो अन्य आरोपी गुड्डू मुस्लिम और साबिर फिलहाल फरार हैं और प्रत्येक पर 5 लाख रुपये का इनाम है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन भी फरार है, उसके सिर पर 50 हजार रुपए का इनाम है। वह मामले में एक साजिशकर्ता के रूप में नामित है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार गुड्डू मुस्लिम और साबिर पर पिछले कुछ समय से नजर रखी जा रही है और जल्द ही दोनों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि उमेश पाल की पत्नी जया पाल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर धूमनगंज थाने में अतीक अहमद, उनके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, सहयोगी गुड्डू मुस्लिम व गुलाम व नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 302, 307, 506 और 120बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पवार ने उद्धव से कहा कि राकांपा कभी भाजपा से हाथ नहीं मिलाएगी : संजय राउत का दावा

मुंबई। (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने हाल ही में उद्धव ठाकरे से कहा है कि अगर कोई व्यक्तिगत रूप से भाजपा में शामिल होने का फैसला लेता है तो भी उनकी पार्टी भाजपा से कभी हाथ नहीं मिलाएगी। राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार के पार्टी छोड़कर राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के साप्ताहिक स्तंभ 'रोकटोक'में राउत ने यह टिप्पणी की है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य घोषित करने का अनुरोध करने वाली याचिका फिलहाल उच्चतम न्यायालय में लंबित है। लेकिन, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार ने अटकलों को आधारहीन बताया और शनिवार की रात मुंबई में केन्द्रीय गृहमंत्री व भाजपा नेता अमित शाह से मुलाकात से इंकार किया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और कांग्रेस महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा हैं। मराठी संस्करण में राउत ने दावा किया है, ''(शरद) पवार ने (मंगलवार को) बैठक में उद्धव ठाकरे से कहा कि कोई पाला नहीं बदलना चाहता। लेकिन परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। अगर कोई साथ छोड़ने का व्यक्तिगत निर्णय लेता है तो यह निजी बात होगी। लेकिन पार्टी के रूप में हम भाजपा के साथ कभी नहीं जाएंगे।'' राज्यसभा सदस्य ने लिखा है, ''वर्तमान राज्य सरकार के खिलाफ महाराष्ट्र की जनता में बहुत गुस्सा है। भाजपा में शामिल होने वाला कोई भी व्यक्ति राजनीतिक आत्महत्या करेगा।

ठाकरे और पवार ऐसा महसूस करते हैं।'' उन्होंने आगे दावा किया है कि ठाकरे के साथ बैठक में पवार ने कहा कि वह पाला बदलने वालों से कहना चाहते हैं कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई (केन्द्रीय जांच ब्यूरो) की फाइलें टेबल से उठकर अलमारियों में चली जाएंगी, लेकिन कभी बंद नहीं होंगी। राउत ने कहा कि राजनीतिक हलकों में अजित पवार के भावी कदम को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं और राकांपा के वरिष्ठ नेता को स्वयं इसे स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजित पवार के परिवार से जुड़ी चीनी मिल पर छापा मारकर ईडी ने उसे जब्त कर लिया। लेकिन अब आरोपपत्र में अजित पवार या उनके परिवार के सदस्यों का नाम नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने सवाल किया, ''चीनी मिल की खरीद में धन शोधन के आरोपों का क्या हुआ। क्या छापे और आरोप सिर्फ राजनीतिक दबाव बनाने के लिए थे?''

राउत ने दावा किया कि शरद पवार के एक अन्य सहयोगी, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री हसन मुशरिफ को भी केन्द्रीय जांच एजेंसियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। इस बीच, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के नेता व राज्य में मंत्री दादा भुसे ने कहा, ''अजित पवार कई साल से राकांपा में बेचैनी महसूस कर रहे हैं। हम सभी यह जानते हैं। कुछ भी हो सकता है।'' नागपुर में जब पत्रकारों ने अजित पवार से भविष्य में उनके कदमों पर लग रही अटकलों के संबंध में पूछा तो, राकांपा नेता ने कहा, ''मैं मंत्रियों दादा भुसे, गुलाबराव पाटिल और उदय सावंत की अपने बारे में टिप्पणियां पढ़ रहा हूं। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि मुझसे इतना प्यार क्यों जताया जा रहा है।

हम संयुक्त रूप से एमवीए को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं।'' उन्होंने मुंबई में शनिवार की रात अमित शाह से मिलने संबंधों अफवाहों को भी खारिज किया। राकांपा नेता ने कहा, ''ये बेमतलब की बातें हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगल-बगल दफनाए गए अतीक-अशरफ, कब्रिस्तान पहुंची अतीक की फरार पत्नी शाइस्ता, जेल भेजे गए तीनों कातिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रयागराज के कसारी-मसारी के कब्रिस्तान में अतीक अहमद और अशरफ अहमद को रविवार देर शाम सुपुर्दे खाक कर दिया गया। दोनों की अगल-बगल कब्रें खोदी गई थीं। यहीं शनिवार शाम अतीक के बेटे असद को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था। इसी पैतृक कब्रिस्तान में अतीक के पिता फिरोज अहमद और मां की भी कब्रें हैं। अब एक मीटर के फासले में अतीक अहमद अपने भाई अशरफ, बेटे असद, पिता फिरोज अहमद और अम्मी के साथ हमेशा के लिए दफन हो गया। इस दौरान अतीक के दोनों नाबालिग बेटे अहजम और अयाम को बाल सुधार गृह से लाने की इजाजत मिलने के बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में कब्रिस्तान तक लाया गया। वहीं अतीक की दोनों बेटियां भी कब्रिस्तान पहुंचे। इस दौरान अतीक के ससुर तथा अन्य करीबी रिश्तेदार मौके पर मौजूद रहे। कब्रिस्तान के बाहर

भारी संख्या में पुलिस और आरएएफ की तैनाती की गयी थी। अतीक और अशरफ के नजदीकी रिश्तेदारों के अलावा अन्य किसी को भी कब्रिस्तान के अन्दर जाने की अनुमति नहीं दी गयी। इसके अलावा कथित रूप से कब्रिस्तान में अंतिम क्षणों में अतीक की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन भी पहुंची। शाइस्ता पर पुलिस ने उमेश पाल हत्याकाण्ड में इनाम घोषित कर रखा था।

पोस्टमार्टम के बाद अतीक और अशरफ के शव सीधे कसारी-मसारी के कब्रिस्तान ले जाया गया। वहीं पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट अभी नहीं आयी है लेकिन शुरुआती रिपोर्ट में अतीक को आठ और अशरफ को छह गोलियां लगीं थीं।

वहीं दूसरी ओर माफिया अतीक अहमद और अशरफ पर काल्विन हॉस्पिटल में ताबड़तोड़ गोलियां चलाने वाले बांदा निवासी लवलेश तिवारी, हमीरपुर निवासी मोहित उर्फ सनी तथा कासगंज निवासी अरुण कुमार मौर्य को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 14 दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस दौरान प्रयागराज जिला कोर्ट के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गयी थी। करीब 150 जवानों को तैनात किया गया था।

हमलावरों से पुलिस कर रही पूछताछ, बाहुबली को मारने का कोई अफसोस नहीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रयागराज,माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले तीनों हमलावरों के वरोधाभासी बयान आ रहे हैं। हालां ?कि एक हमालवर ने कहा है ?कि उन्हें इस हत्याकांड को अंजाम देने का कोई अफसोस नहीं है। तीनों हमलावरों से पुलिस की पूछताछ पिछले ९ घंटे से लगातार जारी है। तीनों ही हमलावरों के विरोधाभास बयान के दौरान सूत्रों के हवाले से खबर मिल रही है कि एक हमलावर ने कहा कि हमारे भाइयों की हत्या करने वाले बाहुबली को मारने का कोई अफ़सोस नहीं हैं। उसने कहा कि अगर फांसी भी हो जाए तो कोई गम नहीं। उधर एक हत्या करने वाले लवलेश तिवारी के पिता यज्ञ तिवारी ने कहा कि उनका बेटा नशे का आदी है और उसके इस कदम की कोई जानकारी नहीं थी। लवलेश तिवारी से हमारे परिवार का अब कोई लेना-देना नहीं है। सूत्रों के मुताबिक तीनों ही हमलावरों पर पहले से ही मुकदमे दर्ज होने की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस अभिरक्षा में हुई इस हत्याकांड के बाद पूरा प्रदेश सकते में हैं। जहां एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच कमिटी गठित कर दी है तो दूसरी ओर वे पल-पल की जानकारी भी ले रहे हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि कई बड़े पुलिस अधिकारियों पर भी गाज गिर सकती है। उधर मुख्यमंत्री आवास पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

उधर अतीक अहमद और भाई अशरफ के चकिया इलाके में तनाव का माहौल देखने को मिल रहा है। देर रात आक्रोशित लोगों ने दो एटीएम में तोड़फोड़ और पथराव भी किया। इस बीच प्रयागराज में इंटरनेट बंद होने की भी सूचना आ रही है। सुलेमसराय और चकिया इलाके में नेट बिलकुल बंद है। साथ ही कॉल ड्राप की समस्या भी बनी हुई है। चकिया इलाके में भरी पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। पीएसी के साथ आरएफके जवान गश्त कर रहे हैं। डीसीपी ने भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की बात कही गई है।

प्रयागराज की सीमाएं सील

अतीक ब्रदर्स की हत्या के बाद यूपी में हाई अलर्ट, प्रदेश में धारा 144 लागू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रयागराज में माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस दोनों भाईयों को मेडिकल टेस्ट के लिए अस्पताल लेकर जा रही थी। इसी समय मीडियाकर्मी बनकर आए 3 हमलावरों ने दोनों पर गोलियां बरसा दीं। इसके बाद से यूपी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। शासन ने पूरे प्रदेश में धारा 144 लगा कर प्रयागराज की सीमाएं सील कर दी हैं।

प्रयागराज के आस-पास के जिलों से सुरक्षाबलों को भेजा जा रहा है। गश्त बढ़ा दी गई है। रविवार सुबह डीएम-कमिश्नर वारदात वाले इलाके में गश्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अफवाह फैलाने वालों को चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग हत्या मामले में अफवाह फैला रहे हैं उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने राज्य के सभी जिलों में धारा 144 लगाने का आदेश दिया है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस पीएसी और आरएएफ को फ्लैग मार्च करने को भी कहा है।

हालात के तनावपूर्ण होने की आशंकाओं के बीच ५ आईपीएस अधिकारियों को प्रयागराज भेजा जा रहा है। उन्हें कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है। अतीक ब्रदर्स की ऑन कैमरा गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रयागराज में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। घटनास्थल पर स्पेशल वीपंस एण्ड टैक्टिक्स टीम पहुंच गई है। संवेदनशील इलाकों में रैफ की तैनाती की जा रही है।

वाराणसी में पुलिस कमिश्नर ने संवेदनशील इलाकों में पुलिस फोर्स तैनात कर दी। चेतगंज, सिगरा, भेलूपुर, कैंट, आदमपुर, समेत प्रमुख थाना के विभिन्न इलाकों में पुलिस बल के साथ अधिकारी गश्त कर रहे हैं। एसीपी के अलावा अन्य अधिकारी और कर्मचारी सड़कों पर उतरे हैं। कंट्रोल रूम ने थानों से हर घंटे अपडेट देने को कहा है। मेरठ में भी पुलिस सतर्क हो गई है। सड़कों पर पुलिस उतर आई है। मेरठ में अतीक के बहनोई के घर ही शूटर गुड्डु मुस्लिम ने फरारी काटी थी। बेटा असद भी यहां आकर रुका था।

आगरा में जैसे ही अतीक और उसके भाई की हत्या की जानकारी हुई। एसपी ने पूरे शहर के थानों को अलर्ट कर दिया है। कहा कि रात में आने-जाने वाले हर एक इंसान से पूछताछ करें। कुछ भी संदिग्ध जैसे लगे तो एक्शन लें। लखनऊमें सभी जगहों पर पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। लगातार आने-जाने वालों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस हर गली में गश्त कर रही है। संदिग्धों पर विशेष निगाह रखी जा रही है। नोएडा में देर रात एसपी के ऑर्डर पर पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया है।

छोटे-छोटे अपराधों में नाम नहीं हो रहा था, बड़ा कांड करने का था इरादा

सरेंडर के बाद कातिलों ने खुद बताई अतीक-अशरफ के कत्ल के पीछे की असली वजह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रयागराज, छोटे- छोटे अपराधों से नाम नहीं हो रहा था इसलिए बड़े कांड को अंजाम देने के इरादे से कत्ल किया। यह मंशा अतीक और अशरफ के कातिलों ने पुलिस के सामने जाहिर की। जानकारी के अनुसार अतीक अहमद और अशरफ की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में पकड़े गए तीनों हमलावर शातिर अपराधी हैं। सूत्रों की मानें तो सरेंडर के बाद पुलिस की पूछताछ में उन्होंने खुद अपनी हकीकत बयां कर दी है। तीनों अपराधियों ने कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया था। हत्या, लूट समेत संगीन आरोप में जेल गए। जेल में ही उनकी आपस में दोस्ती हो गई। अतीक और अशरफ की हत्या करके डॉन बनना चाहते थे। उन्होंने ये भी कहा कि छोटे-छोटे मामलों में जेल जाने से उनका नाम नहीं हो रहा था। दोनों भाइयों की हत्या के आरोप में पकड़े गए हमीरपुर निवासी शनि, कासगंज निवासी अरुण और बांदा निवासी लवलेश पुलिस रिकार्ड में शातिर अपराधी है। तीनों को कॉल्विन अस्पताल में रखकर पूछताछ शुरू की उनका नाम नहीं हो रहा था। कुछ बड़ा करने की सोच रहे थे। इस बीच अचानक पता चला कि अतीक और अशरफ को पुलिस कस्टडी में लेकर अस्पताल में इलाज कराने आ रहे हैं। तीनों ने साजिश रची कि अगर अतीक और अशरफ

गई। शनि ने शुरुआत में कहा कि वह प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। वहीं दूसरे ने भी खुद को छात्र बताया।

सूत्रों ने बताया ?कि तीनों से कड़ाई से पूछताछ की गई तो तो पता चला कि तीनों का आपराधिक इतिहास है। पुलिस सूत्रों के अनुसार तीनों ने पुलिस को बताया कि छोटे-छोटे अपराध में जेल जाने से को मार दिया तो उनका प्रदेश में बड़ा नाम होगा। जो लोग अतीक से डरते थे अब उनसे डरेंगे। अपराध जगत में उनकी तूती बोलेगी। यही सोचकर तीनों ने वारदात को अंजाम देने की तैयारी की।

सूत्रों की मानें तो शुक्रवार को भी तीनों अतीक पर हमला करने से पहले अस्पताल पहुंचे और रेकी की। सब जगह देखने के बाद शनिवार को पहुंचे और आसानी से मीडियाकर्मी बनकर माफिया का अंत कर दिया। हालांकि इनके बयान के बाद भी पुलिस उनके स्थानीय थानों से संपर्क करके ब्योरा एकत्र कर रही है। शुरुआती जांच में तीनों ने कहा कि अतीक अहमद और अशरफ का पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आने पर हत्या की है। वहीं एक आरोपी ने कहा कि अतीक ने उसके भाई की जेल में पिटाई की थी। उसका बदला लेने के लिए मारा है। तीनों के बताए गए बयान और पते का पुलिस सत्यापन करा रही है। मौके से पुलिस को कौशाम्बी और प्रयागराज नंबर की दो बाइक, हमलावरों की तीन पिस्टल, कैमरा और बैग बरामद हुआ है। तीनों की उम्र 20-25 साल बताई जा रही है। तीनों मीडियाकर्मी बनकर वहां पहुंचे थे।

उमेश पाल हत्याकांड के49वें दिन असद, 51वें दिन अतीक और अशरफ हुए ढेर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रयागराज,यूपी में मफिया राज का अंत हो रहा है। 24 फ़रवरी को राज पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और उसके दो गनर की हत्या के 51वें दिन बाद ही अतीक अहमद, उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ का साम्राज्य मिट्टी में मिल गया। दिनदहाड़े हुई उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही अतीक एंड फैमिली पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। पहली बार अतीक अहमद को उमेश पाल अपहरण केस में उम्रकैद की सजा हुई। उसके बाद उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी अतीक का बेटा असद और शूटर गुलाम झांसी एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। दो दिन बाद ही अतीक और अशरफ का भी काम तमाम हो गया। तीन हमलवारों ने पुलिस की मौजूदगी में ही अतीक और अशरफ की हत्या कर दी। दरअसल, उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही अतीक एंड फैमिली के बुरे दिन शुरू हो गए थे। उसे दो बार साबरमती जेल से प्रयागराज लाया गया। बेटे असद समेत चार शूटर मारे गए। पत्नी शाइस्ता परवीन पर ५० हजार का इनाम घोषित किया गया और वह फरार हैं। बहनोई अख़लाक़ जेल में हैं। बहन आयेशा नूरी और उनकी दो बेटियां भी आरोपित हैं और फरार चल रही हैं। भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा भी उमेश पाल हत्याकांड में आरोपित हैं। जिस अतीक अहमद का आपराधिक साम्राज्य ४४ साल से चल रहा था वह उमेश पाल हत्याकांड के साथ ही महज ५१ दिन में नेस्तनाबूद हो गया। अतीक अहमद, भाई अशरफ और बेटा मारे गए। दो बेटे उमर और अली जेल में बंद हैं। दो नाबालिग बेटे बाल संरक्षण गृह में हैं।

मफिया राज की सिलसिलेवार कहानी

यदि मफिया राज की सिलसिलेवार कहानी को समझें तो 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल और उनके दो गनर की धूमनगंज में हत्या होती है । सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अतीक का बेटा असद, गुड्डु मुस्लिम, मोहम्मद गुलाम, साबिर, अरबाज, अरमान और विजय उर्फ उस्मान चौधरी की शिनाख्त हुई। इसके बाद 27 फ़रवरी को एक शूटर अरबाज मुठभेड़ में मारा गया। एक साजिशकर्ता सदाकत गिरफ्तार हुआ। वहीं 5 मार्च को असद, गुड्डु मुस्लिम, मोहम्मद गुलाम, साबिर और अरमान पर ढाई-ढाई लाख का इनाम घोषित किया गया। बाद में इनाम की राशि बढ़ाकर पांच-पांच लाख रुपये कर दिया गया। 6 मार्च को शूटर उस्मान चौधरी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। 12 मार्च को अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन की उमेश पाल हत्याकांड में भूमिका सामने आई और उस पर इनाम घोषित किया गया। 28 मार्च को अतीक अहमद और उसके दो सहयोगी को उमेश पाल अपहरण केस में उम्रकैद की सजा हुई। 2 अप्रैल को अतीक का बहनोई डॉ अख़लाक़ शूटर्स को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार हुआ। 8 अप्रैल को शाइस्ता परवीन पर इनाम की राशि 50 हजार की गई। बहन आयशा नूरी और उनकी दो बेटी भी आरोपित घोषित की गई। 13 अप्रैल को झांसी में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में अतीक का बेटा असद और शूटर गुलाम ढेर हुआ। और 15 अप्रैल 2023 को पुलिस कस्टडी में अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या हो गई।

उमेश पाल हत्याकांड के 6 मुख्य आरोपियों की मौत, अन्य फरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 24 फरवरी को हुई वकील उमेश पाल की हत्या के मामले 6 मुख्य आरोपी मारे जा चुके हैं। उमेश पाल की हत्या के बाद से इस मामले के 8 आरोपियों में से कुल 6 को मार दिया गया है। अरबाज, जो 24 फरवरी को कथित तौर पर हत्यारों के वाहन का चालक था, 27 फरवरी को प्रयागराज में एक मुठभेड़ में मारा गया। उस्मान उर्फ विजय चौधरी 6 मार्च को प्रयागराज में एक अन्य कथित मुठभेड़ में मारा गया। झांसी में 13 अप्रैल को पुलिस ने अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया।

असद और गुलाम उमेश पाल पर फायरिंग करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। उमेश पाल हत्याकांड के मास्टर माइंड अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की शनिवार रात प्रयागराज में तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई को उमेश पाल की हत्या के मामले की सुनवाई के लिए गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज लाया गया था। हत्या के समय दोनों पुलिस हिरासत में थे।

अपराध में इस्तेमाल क्रेटा के मालिक, जिसकी पहचान खसार अहमद के रूप में हुई है, खसार को पहले उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से पकड़ा गया था। क्रेटा के दस्तावेजों में खसार अहमद का नाम दर्ज था और सूत्रों ने बताया कि वह प्रयागराज के करेली में एक ट्रैवल एजेंसी का संचालक है। घटना के बाद खसार परिवार समेत फरार हो गया था। बिरयानी की दुकान चलाने वाले नफीस अहमद ने करेली निवासी खसार अहमद को कार ट्रांसफर कर दी थी। कार मालिक खसार अहमद नफीस अहमद का करीबी रिश्तेदार बताया जाता है।

शेष दो अन्य आरोपी गुड्डु मुस्लिम और साबिर फिलहाल फरार हैं और प्रत्येक पर 5 लाख रुपये का इनाम है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन भी फरार है, उसके सिर पर 50 हजार रुपए का इनाम है। वह मामले में एक साजिशकर्ता के रूप में नामित है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार गुड्डु मुस्लिम और साबिर पर पिछले कुछ समय से नजर रखी जा रही है और जल्द ही दोनों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि उमेश पाल की पत्नी जया पाल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर धूमनगंज थाने में अतीक अहमद, उनके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, सहयोगी गुड्डु मुस्लिम व गुलाम व नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 302, 307, 506 और 120बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।